दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
2 | देश विदेश
4 | अभिव्यक्ति
7 | कारोबार/खेल

RNI NO.MPHIN/2017/72749 भोपाल, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 / शुक्ल पक्ष-सप्तमी, विक्रम संवत-2082/ वर्ष-8 अंक-285 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

पता नहीं कुछ लोगों को उड़ता तीर लेने में क्या मजा आता है? सायकल वाले भैया ने संसद में बैठे ठाले आ बैल मुझे मार वाली कहावत को चरितार्थ कर डाली। अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसा कि खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बोलने वाली भाजपा अभी तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने चुटकी ली कि भाजपा कोई परिवारवादी पार्टी नहीं है जिसमें परिवार के सदस्य अपनी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लेते हैं और कुर्सी से चिपके रहते हैं। लाल टोपी वाले बेशर्मी से दांत निपोर कर रह गये।

वक्फ संशोधन विधेयक पर
अब राज्यसभा में अग्नि परीक्षा

लोकसभा में बिल पास, 288 सांसदों में पक्ष में पड़े 232 मत, वक्फ संशोधन विधेयक को पास कराने 119 सांसदों की जरूरत

● राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष में गरमा-गरम बहस जारी

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्र सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पास करा लिया। सरकार को एनडीए के सभी घटक दलों का जबरदस्त समर्थन मिला और विधेयक के पक्ष में 288 सांसदों ने वोट किया। वहीं, इसके विपक्ष में 232 वोट पड़े। इसके साथ ही विधेयक के राज्यसभा में जाने का रास्ता साफ हो गया।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को इस बिल को राज्यसभा में भी पेश कर दिया। हालांकि, वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 की असल परीक्षा इसी सदन में मानी जा रही है। दरअसल, राज्यसभा में एनडीए का बहुमत जरूरी संख्या पर ही स्थिर है। ऐसे में गठबंधन के किसी भी दल के किसी भी सांसद का इधर-उधर होना विधेयक को पास कराने की राह में रोड़ा बन सकता है।

राज्यसभा में किस-किसका रुख साफ नहीं

एनडीए और विपक्ष में समर्थन के बीच कुछ दल ऐसे भी हैं, जिन्होंने अब तक विधेयक पर अपना रुख साफ नहीं किया है। इनमें तेलंगाना की पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस)- 4 सीटें, बहुजन समाज पार्टी (बसपा)- 1 सीट और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ)- 1 सीट शामिल हैं। दूसरी तरफ राज्यसभा में छह नामित सांसदों भी हैं, जो कि वोटिंग में हिस्सा लेंगे।

राज्यसभा में क्या है वक्फ विधेयक के समर्थन का गणित?: वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में एनडीए के बहुमत की वजह से पास हो गया। हालांकि, इसे चुनौती राज्यसभा में मिलने की संभावना है। राज्यसभा में कुल सांसद 245 हो सकते हैं। हालांकि, मौजूदा समय में सदन में 236 सांसद हैं। वहीं, 9 सीटें खाली हैं। राज्यसभा में कुल 12 सांसद नामित हो सकते हैं, लेकिन इनकी संख्या फिलहाल 6 है। इस लिहाज से राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए 119 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी।

राज्यसभा में भी आंकड़ों के लिहाज से एनडीए के पास पूर्ण बहुमत है। दरअसल, राज्यसभा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसके पास कुल 98 सांसद हैं। इसके अलावा लोकसभा की तरह ही जदयू, तेदेपा, राकांपा व अन्य दलों की तरफ से एनडीए को समर्थन मिला हुआ है। शेष पृष्ठ 5 पर

राज्यसभा में विपक्ष के ये हैं आंकड़े?

दूसरी तरफ राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक के विपक्ष में भी कई पार्टियां जुटी हैं। हालांकि, यह समर्थन विधेयक को रोकने के लिए नाकाफी साबित हो सकता है। राज्यसभा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। विपक्ष से इसके राज्यसभा में सबसे ज्यादा 27 सांसद हैं। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी (आप) और द्रमुक अगली बड़ी पार्टी हैं। जो अन्य दल वक्फ संशोधन विधेयक में विपक्ष के साथ हैं, उनमें नवीन पटनायक का बीजू जनता दल (बीजद) शामिल है, जिसके 7 सांसद हैं। इसके अलावा जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी, एआईएडीएमके भी विपक्ष के साथ हैं।

टीडीपी और जदयू सरकार के साथ

सहयोगी जदयू-टीडीपी ने विधेयक के समर्थन के लिए कई शर्तें रखी थीं। जदयू की प्रमुख मांग थी कि सरकार अधिनियम के लागू होने से पहले मुसलमानों के धार्मिक पहचान से जुड़े स्थानों में छेड़छाड़ नहीं करेगी। मतलब अधिनियम लागू होने की पूर्व स्थिति बहाल रखेगी। टीडीपी ने वक्फ संपत्ति विवाद की जांच के लिए कलेक्टर से ऊपर राज्य सरकार द्वारा नियुक्त वरिष्ठ अधिकारी को अंतिम अधिकार देने, वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण के लिए समय देने, जमीन से जुड़े विवाद के निपटारे के लिए अंतिम फैसले का हक राज्य सरकार को देने की मांग की थी। इसे सरकार ने स्वीकार कर लिया।

कुएं में जहरीली गैस से 8 की मौत

खंडवा/नवप्रदेश। खंडवा में एक कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण 8 लोगों की मौत हो गई। करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 8 शव कुएं से बाहर निकाल लिए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। ये घटना गुरुवार शाम को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन को लेकर अर्जुन नाम का शख्स कुएं की सफाई करने उतरा, जो जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूब गया। उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे। ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई। सभी 8 शवों को पोस्टमार्टम के लिए छैगांवमाखन के अस्पताल ले जाया गया है। शुक्रवार को शवों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

कुएं से नहीं निकले तो प्रशासन को बुलाया

बताया जा रहा है कि गुरुवार को दोपहर के वक्त 8 लोग कुएं में डूबे थे, शाम तक बाहर नहीं निकले। जिसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। साथ ही पुलिस और प्रशासन को भी सूचित किया।

रूस और यूक्रेन अमेरिका को दे रहे हैं 'अच्छा सहयोग'

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में अपने भाषण में कहा है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही युद्ध विराम के मुद्दे पर हमें 'अच्छा सहयोग' दे रहे हैं। ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मुझे लगता है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही हमें अच्छा सहयोग दे रहे हैं।' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि ट्रम्प रूस और यूक्रेन के नेताओं से निराश हैं लेकिन अमेरिका संघर्ष को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के साथ बातचीत कर रहा है।

टैरिफ विश्व व्यापार के अनुरूप नहीं हैं : जापान

टोक्यो (वार्ता)। जापान के मुख्य कैबिनेट मंत्री योशिमासा हैयाशी ने गुरुवार को अमेरिका के आपसी शुल्क लगाने के निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस निर्णय पर सवाल करते हुए कहा कि क्या यह विश्व व्यापार संगठन के नियमों और बाइलेट्रल व्यापार समझौते के अनुरूप है।

भारत-थाईलैंड बढ़ाएंगे रणनीतिक साझेदारी: मोदी

बैंकॉक (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।

भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की

इसके अलावा, पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह

डाक टिकट जारी करने के लिए थाई सरकार का आभारी हूं: पीएम मोदी

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का आभारी हूं।

सीएम यादव को लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर बधाई देकर धन्यवाद ज्ञापित किया

मुख्यमंत्री से मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि

बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे समाज के कमजोर तबके को न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक्फ़ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित कदम उठाए हैं। उसी में वक्फ बोर्ड के नियम में इस प्रकार के संशोधन/प्रावधान करना जरूरी थे। वास्तविक गरीब से गरीब आदमी को वक्फ बोर्ड से लाभ मिले, खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को। उन्होंने कहा कि कुछ शक्ति सम्पन्न लोगों ने अपने हित में वक्फ की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे कर लिए थे, ताकि उनका आधिपत्य और वक्फ की सम्पत्ति पर दखल हमेशा बना रहे। यह ठीक किया जाना जरूरी था। इन सब व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बड़ी शुरूआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वक्फ़ समिति के अध्यक्ष, सभी पदाधिकरियों को बधाई देते हुए कहा कि शेष पृष्ठ 5 पर

प्रदेश में बौद्ध सर्किट करें विकसित : सीएम यादव

नवम्बर माह में भोपाल में होगा इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज का रजत जयंती सम्मेलन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण सभा की हुई बैठक

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन के विकास को प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश में भगवान बुद्ध का जिन स्थानों पर प्रभाव रहा है उन्हें बौद्ध सर्किट के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जाएं। ऐसे स्थानों में उज्जैन सहित सांची के निकट सतधारा, सोनारी आदि का समावेश किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न प्रावधानों को विश्वविद्यालय में लागू करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची की कार्य परिषद की छठवीं बैठक गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में संपन्न हुई। बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और विश्वविद्यालय शेष पृष्ठ 5 पर

पचमढ़ी-सीहोर-बालाघाट में पानी गिरा: एमपी में कई जिलों में छाए बादल

25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में आज यानी गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। भोपाल, सीहोर, रायसेन, ग्वालियर और बालाघाट में बारिश हुई है। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम बारिश हुई है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे एमपी में आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मैहर, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया

गरमा-गरम

बधाई...

म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों के हित में किए हैं 11 नवाचार

सीएम यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में नवाचारों के लिए दी बधाई

रूक जाना नहीं योजना से अबतक 6.41 लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आत्मनिर्भर म.प्र. योजना में आवासीय प्रशिक्षण देकर 100 आकांक्षी युवाओं को रोजगार से भी जोड़ा जाएगा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पालन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रसन्नता व्यक्त कर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश का हर बच्चा पढ़े-लिखे, आगे बढ़े, इसके लिए पूरी सरकार समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने विभाग को यह निष्ठा भाव बनाए रखने और हर बच्चे को शिक्षा मिले, उसे समय पर पुस्तकें, गणवेश, छात्रवृत्ति, साईकिल और अन्य आवश्यक सुविधाएं मिलें, इसके लिए सदैव प्रयत्नशील रहने के निर्देश दिए हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों के हित में कुल 11 प्रकार के नवाचार किए गए हैं। इन नवाचारों को बहुत अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। हमारा प्रयास है कि इस बोर्ड के माध्यम से हम प्रदेश के हर उस बच्चे तक पहुंचें, जो मुक्त स्कूल के जरिए शिक्षा पाना चाहता है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बिन्दु क्रमांक 16.4 में उल्लेख है कि व्यावसायिक शिक्षा को इस तरह से एकीकृत किया जाये, जिससे प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े कौशलों को सीखे। इसी व्यवस्था के परिपालन में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश योजना प्रारंभ की गयी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित आत्मनिर्भर भारत योजना के अनुक्रम में कौशल वृद्धि के लिए मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के माध्यम से एक महत्वाकांक्षी पायलट शेष पृष्ठ 5 पर

'मैं टूट जाऊंगा लेकिन कभी झुकूंगा नहीं', अनुराग ठाकुर के आरोपों पर भड़के खड़गे

नई दिल्ली/ए.। राज्यसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। दरअसल, कांग्रेस ने लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर लगाए गए गंभीर आरोपों को निराधार बताया और सदन के नेता से स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने भाजपा सांसद से माफी मांगने को भी कहा। इस दौरान खरगे ने कहा, 'अगर भाजपा के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट जाऊंगा, लेकिन झुकूंगा नहीं। याद रखो, मैं डराने से डरने वाला नहीं।'

इस दौरान खरगे ने कहा कि अनुराग ठाकुर की ओर से मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों से मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। खरगे ने अनुराग ठाकुर से उनके खिलाफ लगाए गए 'बेबुनियाद' आरोपों को साबित करने को कहा।

मैं कभी नहीं झुकूंगा

अपने बयान में खड़गे ने कहा, 'अगर भारतीय जनता पार्टी के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, तो मैं कहता हूं कि ऐसा कभी नहीं होगा। मैं टूट सकता हूं, लेकिन झुकूंगा नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा जीवन एक खुली किताब की तरह रहा है, जिसमें संघर्ष और संघर्ष के बावजूद मैंने हमेशा अपनी राजनीतिक जीवन में सर्वोच्च मूल्य बनाए रखे हैं।'

उन्होंने कहा कि अगर आप अपने दावों को साबित नहीं कर सकते तो आपको संसद में आने का कोई अधिकार नहीं है। आप इस्तीफा दे दीजिए। इसके साथ ही अगर भाजपा सांसद आरोप साबित कर देते हैं तो वह इस्तीफा दे देंगे।

खरगे ने कहा, 'कल अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में मुझ पर पूरी तरह से झूठे और निराधार आरोप लगाए। जब मेरे सहयोगियों ने उन्हें चेतावनी दी, तो उन्हें अपनी अपमानजनक टिप्पणी वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन तब तक नुकसान तो हो चुका था।' उन्होंने यह भी कहा कि मैं आज खड़े होकर अनुराग ठाकुर के बेबुनियाद आरोपों की निंदा करने के लिए बाध्य हूं। मैं सदन के नेता से माफी की उम्मीद करता हूं। यह काम तो कम से कम सत्तारूढ़ पार्टी को ओर से किया जा सकता है। उसे इतना तो करना ही चाहिए।

अनुराग ठाकुर ने क्या कहा था?

इससे पहले भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ विधेयक के विरोध को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि विधेयक कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा।

उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए बनी वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने दलों पर अपना राजनीतिक साम्राज्य बनाने के लिए इनके दोहन का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया था कि इन जमीनों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के बजाय कांग्रेस ने अपने चुनावी फायदे के लिए इन्हें वोट बैंक एटीएम में बदल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर बैन हटाने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं। हर किसी के पास अपने घर या कार्यस्थल पर वायु शुद्धिकरण यंत्र लगाने की सुविधा नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पिछले छह महीनों में इस अदालत ने कई आदेश दिए हैं, जो दिखाते हैं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब रही है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार हर नागरिक का हक है, जिसमें स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है।'

1 करोड़ रुपये दान करने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी विशेष सुविधा

तिरुमला(वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गुरुवार को कहा कि तिरुमला मंदिर को एक करोड़ रुपये दान करने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। टीटीडी के सूत्रों के मुताबिक विशेष त्योहारों को छोड़कर अन्य दिनों में दान करने वाले श्रद्धालु उन्हें दी जाने वाली विशेष सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

म्यांमार में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हुई

बीजिंग(वार्ता)। म्यांमार में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गयी है। चीन के राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम के मुताबिक कुल 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 लोग लापता हैं।

मेलोनी ने ईयू पर टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले की आलोचना की

रोम(वार्ता)। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बुधवार रात को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के यूरोपीय संघ पर टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना की और कहा कि यह एक गलती है जिससे किसी को कोई लाभ नहीं होगा।मेलोनी ने कहा कि इटली अमेरिका के साथ एक समझौता करने के लिए काम करेगा ताकि एक व्यापार युद्ध से बचा जा सके, जो पश्चिमी देशों को कमजोर और अन्य वैश्विक खिलाड़ियों को मजबूत कर सकता है। उन्होंने कहा, "हम जो भी कर सकते हैं, करेंगे ताकि अमेरिका के साथ एक समझौता किया जा सके और व्यापार युद्ध से बचा जा सके, जो स्वाभाविक रूप से पश्चिम को कमजोर और अन्य वैश्विक शक्तियों को मजबूत करेगा।"

दिल्ली में दो दिवसीय समारोह 'भीलवाड़ा सुर संगम का 12वां संस्करण' शुरू

नई दिल्ली(वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी में कमानी ऑडिटोरियम में बुधवार को प्रसिद्ध कलाकारों ने दो दिवसीय समारोह 'भीलवाड़ा सुर संगम के 12वें संस्करण' की रंगारंग प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम एलएनजे भीलवाड़ा समूह की ओर से आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय समारोह ने संगीत और कलाओं के अनूठे संगम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर पहले दिन 600 से ज्यादा दर्शक उपस्थित थे।

मुंबई पुलिस ने अंधेरी से 5 शार्प शूटर्स को किया गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सभी पांच आरोपी किसी बड़ी शख्सियत की हत्या के लिए आए थे। अंधेरी के एक होटल से पुलिस ने सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने पांचों की गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से पुलिस को हथियार भी बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि सभी पांच आरोपी शार्प शूटर्स हैं और यह सब अलग-अलग राज्य से मुंबई में आए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या सभी आरोपी किसी बड़ी योजना को अंजाम देने के लिए मुंबई आए थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास दिनेश ठाकुर, देवेंद्र सक्सेना, श्रेयस यादव, सुमित कुमार और विवेक कुमार के रूप में हुई है।

अमेरिकी व्यापार नीति में नए बदलाव के कारण पैदा हुए अवसरों का भी अध्ययन कर रहा

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं 27 प्रतिशत का टैरिफ लगाया

ट्रंप की घोषणा और आधिकारिक आदेश में दर अलग-अलग

वाशिंगटन/ए.। अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं बल्कि 27% का टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक आदेश इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले टैरिफ के एलान के वक्त ट्रंप जिस तख्ती के साथ मीडिया के सामने आए थे। उस पर भारत के लिए 26% टैरिफ का जिक्र था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में भारत के लिए 27% टैरिफ की बात कही गई है।

हालांकि, जब ट्रंप की ओर से जारी टैरिफ चार्ट में भारत की टैरिफ दर 26 प्रतिशत बताए जाने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि व्हाइट हाउस के आधिकारिक आदेश में 27 प्रतिशत टैरिफ की बात कही गई थी। भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, म्यांमार और अन्य देशों के लिए भी टैरिफ की दरों में घोषणा और आधिकारिक आदेश में बदलाव दिखा।

अमेरिकी टैरिफपर वाणिज्य मंत्रालय की प्रतिक्रिया?

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने भी अमेरिका की जवाबी टैरिफपर प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने पारस्परिक शुल्क पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिसके तहत सभी व्यापारिक साझेदारों से

यह फैसला लेना बहुत कठिन रहा

भारत पर बोलते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई दिल्ली की ओर से जाने वाले टैरिफ को "बहुत, बहुत कठोर" बताया। उन्होंने कहा, "उनके प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) अभी-अभी (हाल ही में अमेरिका से) गए हैं... वे मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि 'आप मेरे दोस्त हैं, लेकिन आप हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।' भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा शुल्क लेंगे- 26 प्रतिशत। यह फैसला लेना बहुत कठिन रहा।"

आयात से 10% से 50% तक अतिरिक्त समानमूल्य शुल्क लगाया जाएगा। 10% का आधारभूत शुल्क 05 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा और शेष शुल्क 09 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा। अमेरिकी प्रशासन के कार्यकारी आदेश के अनुलग्नक I के अनुसार भारत पर 27% टैरिफ लगाया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा है, "हम अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर की गई घोषणाओं के निहितार्थों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहे हैं। विकसित भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, विभाग भारतीय उद्योग और निर्यातकों सहित सभी हितधारकों के साथ संपर्क में है और टैरिफ के बारे में उनके आकलन पर प्रतिक्रिया ले रहा है। हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं। विभाग अमेरिकी व्यापार नीति में इस नए बदलाव के कारण पैदा हुए अवसरों का भी अध्ययन कर रहा है।"

बर्बाद कर देगा ये टैरिफ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए 27 फीसदी टैरिफ को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोकसभा में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टैरिफ का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ हमें तबाह कर देगा। सरकार इस मुद्दे पर क्या कर रही है? उन्होंने एलएसी की स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विदेश नीति का मतलब बाहरी देशों को प्रबंधित करना है। हमारे सहयोगी अमेरिका ने अचानक हम पर टैरिफ लगाने का फैसला कर लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर देंगे। विशेष रूप से ऑटो उद्योग, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि जैसे क्षेत्रों को। उन्होंने कहा कि किसी ने एक बार इंदिरा गांधी जी से पूछा था कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं या दाएं झुकती हैं और इंदिरा गांधी जी ने जवाब दिया था मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती, मैं सीधी खड़ी होती हूं। मैं भारतीय हूं और मैं सीधी खड़ी होती हूं। भाजपा और आरएसएस का दर्शन अलग है। जब उनसे पूछा जाता है कि वे वामपंथी हैं या दक्षिणपंथी, तो वे कहते हैं, 'नहीं, नहीं, हम अपने सामने आने वाले हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनकी संस्कृति और इतिहास में है, हम यह जानते हैं।

इमरान का पीएम मोदी पर हमला

ट्रंप के टैरिफ से ध्यान भटकाने के लिए देर रात तक चली संसद

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने के बाद राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इस मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से ध्यान भटकाने के लिए देर रात तक संसद चलाई गई।

कांग्रेस सांसद प्रतापगढ़ी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी प्रशासन द्वारा टैरिफ लगाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार को मुसलमानों के नाम पर 'शरण' लेनी पड़ी। प्रतापगढ़ी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'उनके (पीएम मोदी) के प्रिय मित्र डोनाल्ड ट्रंप कल रात भारत पर 26% टैरिफ लगा रहे थे, इसलिए हमारे प्रधानमंत्री को संसद को रात 2 बजे तक चलाना पड़ा।

महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सरकार को एक बार फिर मुसलमानों के नाम पर शरण लेनी पड़ी।'

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को नए आयात शुल्क की घोषणा की। इसमें भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया।

इस दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी को अपना 'अच्छा मित्र' बताया और कहा कि भारत अमेरिका से 52 फीसदी शुल्क वसूलता है, जबकि हम उनसे कुछ भी शुल्क नहीं वसूलते हैं।

ट्रंप ने कहा कि आप (पीएम मोदी) हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।

मोटरसाइकिलों पर 70 फीसदी शुल्क वसूल रहा भारत

ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका अन्य देशों से मोटरसाइकिलों पर केवल 2.4 फीसदी शुल्क लेता है। जबकि थाईलैंड 60 फीसदी, भारत 70 फीसदी, वियतनाम 75 फीसदी और अन्य देश इससे भी अधिक शुल्क वसूल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस तरह का असंतुलन हमारे औद्योगिक आधार को तबाह कर रहा है।

इससे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ गई है। उन्होंने कहा कि मैं इस आपदा के लिए इन देशों को दोषी नहीं मानता हूं। इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति और पिछले नेता दोषी हैं, जिन्होंने अपना काम ठीक से नहीं किया।

सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा

बंगलूरू। बंगलूरू में गुरुवार को सीएम सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोला। भाजपा नेताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफप्रदर्शन किया। पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक और भाजपा नेता सीटी रवि समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इसे लेकर भाजपा विरोध कर रही है। बुधवार को भाजपा ने फ्रीडम पार्क में धरना प्रदर्शन किया। इसमें पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने कहा, जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण आम लोग संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर आंतरिक खींचतान मची हुई है। ये दिखाता है कि सरकार को लोगों की कोई परवाह नहीं है, वे किसी तरह बस सत्ता में बने रहना चाहते हैं। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च शुरू किया।

इंडोनेशिया में शक्तिशाली भूकंप के झटके

जकार्ता(वार्ता)। इंडोनेशिया के पूर्वी उत्तरी मालुकु प्रांत में गुरुवार सुबह शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किये गये। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के मुताबिक स्थानीय समयानुसार 04:03 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गयी।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सार्वजनिक करेंगे अपनी संपत्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की। 1 अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होगी। अब

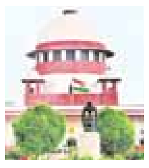

तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना। अब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक करने पर सहमति जताई। जिन न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा कर दी है, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। घोषणाओं का पूरा सेट सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। सुको ने यह कदम जस्टिस यशवंत वर्मा मामले के बाद उठाया है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर नकदी की जली हुई गड्डियां मिली थीं। विवाद के बाद उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कर दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उनका तबादला नकदी मिलने के विवाद से संबंधित नहीं था।

जनसांख्यिकीय बदलाव की शुरुआत दशकों पहले मणिपुर से की गई थी : एन बीरेन

इंफाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि राज्य के जनसांख्यिकीय परिवर्तन को दशकों पहले व्यवस्थित तरीके से किया गया। 1960 के दशक से हजारों शरणार्थी राज्य में अधिकारियों की जानकारी में बसे और उन्हें पुनर्वास के लिए सहायता प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि बीरेन सिंह ने फरवरी में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि उन परिवारों का क्या हुआ और क्या उन लोगों को चुनावी सूची में शामिल किया गया था। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह तब हुआ, जब मणिपुर के भाजपा विधायक ने 2001 की जनगणना की समीक्षा और राज्य में सीमा निर्धारण प्रक्रिया शुरू करने से पहले एनआरसी के कार्यान्वयन की मांग की थी। सिंह ने कहा, आधिकारिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि हम एक पूर्ण

राज्य बनने से पहले ही हजारों शरणार्थियों को अधिकारियों की जानकारी में यहां बसाया गया था। 1960 के दशक के अंत और 70 के दशक की शुरुआत में, दस्तावेजों से पता चलता है कि 1,500 से अधिक परिवार यहां बस गए थे और उन्हें पुनर्वास के लिए सहायता प्रदान की गई थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर 1 नवंबर, 1956 को एक केंद्र शासित प्रदेश बना था और 21 जनवरी, 1972 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला। सिंह ने पूछा, उन परिवारों का क्या हुआ। उन्हें किस तरह से एकीकृत किया गया। तब से कितनी पीढ़ियां बढ़ी हैं। क्या उन्हें अंततः पूर्ण अधिकार दिए गए। क्या उन्हें चुनावी सूची में शामिल किया गया। इन सवालों का कभी पूरी तरह से सार्वजनिक रूप से उत्तर नहीं दिया गया और यह मुद्दा ज्यादातर अनकहा ही रहा, जबकि राज्य की जनसंख्यात्मक संरचना समय के साथ बदलती रही। सिंह ने कहा कि उस समय मणिपुर से सांसद पाओखाई हौकिप ने एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने गृह मंत्री राज्य मंत्री केसी पंत को सूचित किया था कि 1967 तक 1,500 से अधिक शरणार्थी परिवार मणिपुर में बस गए थे। सिंह ने इस पत्र की एक प्रति साझा की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह पत्राचार इस मुद्दे की जड़ें और लंबी अवधि को प्रमाणित करने वाले कई पत्रों में से एक है। सिंह ने यह भी सवाल किया कि क्या मणिपुर शरणार्थियों के लिए एक डंपिंग ग्राउंड था शुरू से ही थी, और यह सवाल उठाया कि क्या इन व्यक्तियों को शरणार्थी स्थिति में बनाए रखने के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद थी।

दूषित चयन प्रक्रिया ... न्यायालय ने राज्य सरकार से तीन महीने की अवधि के भीतर चयन की नई प्रक्रिया शुरू करने को कहा

ममता सरकार को झटका, 25,000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने के फैसले पर सुको की मुहर

नई दिल्ली(वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में 25,000 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले पर गुरुवार को मुहर लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था।

पीठ ने अपने फैसले में पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों के पदों पर भर्ती की पूरी प्रक्रिया को 'दूषित' और 'सुधार से परे दागदार' घोषित किया।

अदालत ने कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया हेरफेर और धोखाधड़ी से दूषित थी और इसे सुधारा नहीं जा सकता।

न्यायालय ने कहा कि इस प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता को नष्ट कर दिया गया है। ऐसे में दागी उम्मीदवारों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई वैध आधार नहीं है।

पीठ ने कहा, "चूंकि नियुक्तियां धोखाधड़ी और जालसाजी से हुई हैं, इसलिए हमें हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं दिखता।"

शीर्ष न्यायालय ने हालांकि कुछ निर्देशों में संशोधन किया।

शीर्ष न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि जो उम्मीदवार पहले कहीं और कार्यरत थे, उन्हें अपने पिछले पदों पर वापस आने की अनुमति दी जाएगी। न्यायालय ने राज्य सरकार से तीन महीने की अवधि के भीतर चयन की नई प्रक्रिया शुरू करने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोलीं ममता

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियों को अमान्य करार देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि, न्यायपालिका के प्रति सर्वोच्च सम्मान है, लेकिन फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। ममता ने कहा कि नौकरी खो चुके लोगों से मिलेंगे, उनसे उम्मीद न खोने को कहेंगे। बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, मैं न्यायपालिका और न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन मैं मानवीय दृष्टिकोण से इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करेगी।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई जांच में पश्चिम बंगाल के तत्कालीन शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और अन्य को गिरफ्तार किया गया था तथा भारी मात्रा में नकदी भी बरामद की गई थी। शीर्ष अदालत ने 07 मई-2024 को 22 अप्रैल-2024 के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था।

भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स 10 प्रतिशत बढ़ा, पानी भी महंगा

भोपाल नगर निगम का बजट पेश

एमआईसी मेंबर को एक करोड़ रुपए की निधि देने का विरोध, कांग्रेस पार्षदों ने की नारेबाजी

भोपाल/नवप्रदेश। गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भोपाल नगर निगम का आज बजट पेश किया जा रहा है। 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की ब?ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे। बता दें कि गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष निधि हेतु राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। निगम सीमा अंतर्गत स्थित फिल्टर प्लांटों में सौर उर्जा प्लांट की स्थापना कार्य हेतु राशि. 150 लाख का प्रावधान किया गया है। जल सरंचना, हरित क्षेत्र के विकास कार्य हेतु तीन करोड़ का प्रावधान किया गया है। अयोध्या बायपास रोड पर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य हेतु राशि 400 लाख का प्रावधान किया गया है। विसर्जन घाटों का विकास कार्य हेतु राशि 3200 लाख का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत राशि 500 लाख का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा के समीप सामुदायिक स्थल सह खेल मैदान विकास के निर्माण कार्य हेतु राशि 300 लाख का प्रावधान किया गया है। बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किये जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्को के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषतः वार्डो के विकास कार्य हेतु प्रति वार्ड 50 लाख रू. वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि रुपये 4250 लाख का प्रावधान किया गया है। जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य हेतु राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर के मुख्य मार्गो के सौंदर्गीकरण कार्य हेतु राशि रू. 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य हेतु शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रकाश व्यवस्था (सड़क एवं चौराहे) हेतु 1500.00 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि रू. 1100 लाख का प्रावधान किया गया है। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 7546 लाख का प्रावधान किया गया है। व्यवसायिक परिसरों के निर्माण कार्य हेतु राशि रु. 6000 लाख का प्रावधान किया गया है। एनडीआएफ अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि 20000 लाख का प्रावधान किया गया है। शहर के विभिन्न विश्रामघाटों हेतु राशि 500 लाख तथा कब्रिस्तानों के विकास कार्य हेतु राशि रू. 200 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर की विभिन्न सड़कों के अनुरक्षण हेतु राशि 3000 लाख का प्रावधान किया गया है। जीआईएस अंतर्गत किये गये सौन्दर्गीकरण कार्यो के अनुरक्षण एवं संधारण हेतु राशि रू 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। वार्डो के समग्र विकास हेतु विशेष निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। नगर विकास हेतु विशेष निगम निधि अंतर्गत 500 लाख का प्रावधान किया गया है। महापौर परिषद सदस्य निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु राशि रु 1500 का प्रावधान किया गया है। निगम के सफाई मित्रों को वर्दीयां तथा रैन कोट प्रदान किये जाने हेतु राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है। इससे पहले बैठक में निगम कमिश्नर द्वारा पार्षद को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा गरमा गया। पार्षदों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। ऐसे में महापौर मालती राय ने भी कहा कि किसी पार्षद के खिलाफ शासन को प्रस्ताव भेजने से पहले एमआईसी या परिषद से चर्चा होनी चाहिए। बैठक में अधिकारियों के व्यवहार और फोन न उठाने की समस्या पर भी नाराजगी जाहिर की गई। बीजेपी पार्षद एक स्वास्थ्य अधिकारी पर भड़क गए। पार्षद पप्पू विलास घाड़गे ने कहा कि एएचओ ने पार्षद के साथ अभद्रता की है और उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्षदों ने एक सुर में कहा कि अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं।

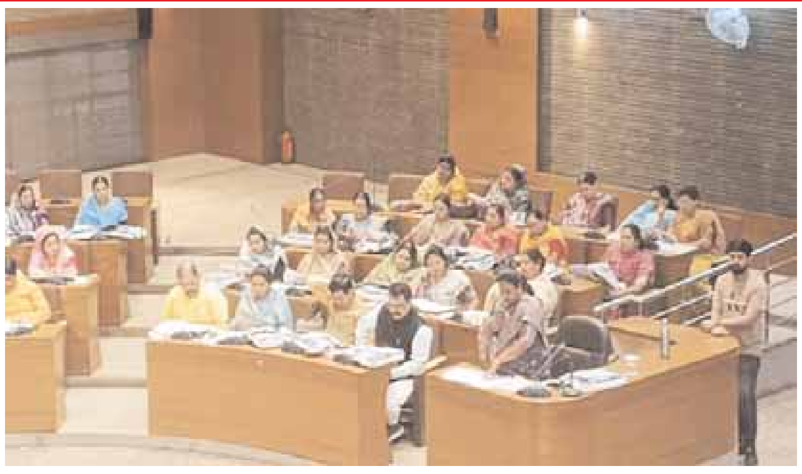

बजट में शहर को विकास की कई सौगात– महापौर

3611 करोड़ रुपए से अधिक का बजट आज हमने पेश किया है। शहर को विकास की सौगातें देने के लिए हमने कई प्रावधान किए हैं। इनमें शहर के सात प्रवेश द्वार, विसर्जन घाट सहित कई प्रस्तावों के लिए बजट रखा है। जल्द ही परिषद हॉल भी बनाया जाएगा। आरोप लगाने वाले सिर्फ आरोप लगाते रहते हैं। शहर की सड़कें टूट गई हैं, ऐसे आरोप लग रहे हैं। इस पर राय ने कहा कि पिछले साल भी राशि दी थी। इस साल भी सड़क और प्रॉपर्टी टैक्स के लिए राशि का प्रावधान किया है। नेता प्रतिपक्ष को इसे समझना चाहिए।

वार्ड नंबर 60 के भाजपा पार्षद ने उठाया जूनियर को सीनियर पद का मुद्दा

भोपाल नगर निगम की बैठक में वार्ड नंबर 60 के भाजपा पार्षद बी.शक्ति राव ने बिल्डिंग परमिशन शाखा में जूनियर को सीनियर वाला पद देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सिटी प्लानर अनूप गोयल 1 महीने की विदेश यात्रा पर गए हैं। जिनका प्रभार जूनियर इंजीनियर लाल जी चौहान को दे दिया गया, जबकि उनके ऊपर प्रभारी कार्यपालन यंत्री नंदकिशोर देहरिया, महेश सिरोहिया और राजा राम अहिरवार है। इस पर अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को जांच के आदेश दिए।

नगर निगम की बैठक में अवैध नल कनेक्शन का मुद्दा भी उठा। जलकर क्यों बढ़ाना पड़ा? इस पर एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने मुद्दा उठाया। कहा कि पानी पर ही भोपाल नगर निगम सालाना 200 करोड़ के घाटे में है। अवैध नल कनेक्शन भी है, इससे राशि नहीं मिल रही है। इस पर कांग्रेस पार्षद मोहम्मद अजीजुद्दीन ने वसूली में सख्ती लाने की बात कही। उनके वार्ड में ही 2 हजार से ज्यादा अवैध नल कनेक्शन है। इस बात पर यति हावी हो गए और उन्होंने कहा कि अवैध नल कनेक्शन को लेकर कड़ा नियम बनाया जाना

जल गंगा संवर्धन अभियान : जनशक्ति से जलसंरक्षण की क्रांति

भोपाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण में जनता की भागीदारी का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने ÷खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में÷ के सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया है। इसी सोच को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य- ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के द्वारा जल संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौध रोपण के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे हैं। इसके साथ ही समाज की सहभागिता के लिए जल संरक्षण जागरूकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान जनप्रतिनिधि और जनमानस बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं।

गुरुवार को जनपद शिवपुरी की सतेरिया पंचायत में प्राचीन तालाब की गाद निकालने, अनावश्यक झाड़ियों की सफाई के लिए विधायक शिवपुरी श्री देवेन्द्र जैन ने ग्रामवासियों के साथ श्रमदान किया। विधायक देवेन्द्र जैन ने कहा कि आप पानी बचाएंगे तभी पानी आपको बचाएगा। हम सभी को जल संरक्षण की दिशा में एकजुट प्रयास करने होंगे, तभी आगे की पीड़ी को पानी मिल पायेगा। एक एक बूँद संरक्षित करने के लिए हर व्यक्ति को प्रयास करने होंगे, तभी इस अभियान की सार्थकता होगी।

जल संरक्षण पर जन संवाद

इंदौर जिले के ग्राम जलोदकेऊ में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण भी किया। समिति सदस्यों एवं ग्रामीणों के साथ जल संवाद किया गया। जिसमें जल स्त्रोतों का पूजन एवं रख-रखाव के लिये श्रमदान कर पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु चर्चा की गई। जल संरक्षण के लिये दीवार पर लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में आज सुबह ग्राम जलोदकेऊ में स्थित छोटे तालाब में श्रमदान कर गहरीकरण किया गया। जल को सहेजने एवं उसके संरक्षण के लिये शपथ भी दिलवाई गई।

गाँव-गाँव में बन रहे रिचार्ज पिट

देवास जिले के टोंकखुर्द विकाखण्ड में ÷जलगंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत बारिश के पानी को सहेजने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया है। गांवों में रिचार्ज पिट के माध्यम से वर्षा जल को सहेजने का कार्य किया जा रहा है। जनपद के कई गाँवों में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। ÷अमृत संचय अभियान÷ की टीम ने विकासखण्ड के जिरवाय, चौबाराधीरा तथा पांडी गाँवों का भ्रमण कर नवनिर्मित रिचार्ज पिट का अवलोकन किया।

नीति आयोग से आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

भोपाल/नवप्रदेश। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने खंडवा के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने बेहतर कार्यों के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़िले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई। खंडवा ज़िले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसूति संबंधी समस्त आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी, इससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) में ज़िले की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। खंडवा जिले में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की प्रभावी कार्रवाई से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया। आंगनवाड़ी केंद्रों शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। खंडवा जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुई। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया।

वन विहार में सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक 5 अप्रैल को

प्रकृति प्रेमियों और वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफरों के लिये रोमांचक अवसर

भोपाल/नवप्रदेश। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिये छोटे जीवों की रहस्यमयी और विविधतापूर्ण दुनिया को देखने के लिये शनिवार 5 अप्रैलको सुबह 7 से 9 बजे तक सिल्कन सीक्रेट्स नामक एक विशेष वॉक का आयोजन किया जा रहा है। सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक का नेतृत्व प्रसिद्ध मैक्रो फोटोग्राफर श्री आशिर कुमार करेंगे, जिन्हें 1 फ्रेममेन के नाम से जाना जाता है। वन्य-जीवों, पक्षियों, जानवरों, की?ों और विशेष रूप से मक?ियों को बारीकी से कैद करने में 5 वर्षो से अधिक की विशेषज्ञता के साथ श्री आशिर के काम को कैनन इण्डिया, इण्डिया टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स जैसे प्लेटफार्म द्वारा प्रदर्शित किया गया है। उनकी पुरस्कृत तस्वीरों को सम्पूर्ण भारत की प्रतिष्ठित दीर्घाओं में प्रदर्शित किया गया है।

सिल्कन सीक्रेट्स प्रतिभागियों को अक्सर कीटों और मकड़ियों कीअनदेखी दुनिया में ले जायेगा, जहाँ उनके छिपे हुए जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी आवश्यक भूमिकाओं को दिखाया जायेगा। प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री आशिर के मार्गदर्शन में वाईल्ड लाईफ फोटोग्राफरों को अपने मैक्रो फोटोग्राफी कौशल को निखारने और प्रकृति के छोटे-छोटे अजूबों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। भोज वेटलैण्ड, जो 445.21 हेक्टेयर में फैला हुआ है, इसके पास स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान इस अन्वेषण के लिये एकदम सही अवसर प्रदान करता है। समृद्ध जैव विविधता, शांत परिवेश के साथ वन विहार एक की सैर के लिये एक आदर्श स्थान है। संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक में भाग लेने वाले प्रतिभागी को आरामदायक जूते, पानी की बॉटल, सिर पर टोपी, मच्छर भगाने वाली क्रीम, फोटोग्राफी के लिये कैमरा या मोबाइल फोन अवश्य साथ लायें। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी के शौकीन प्रकृति प्रेमी और प्राकृतिक दुनिया की जटिल सुंदरता के बारे में जानने के लिये उत्सुक हों, तो इस प्रतियोगिता में जरूर भाग लें।

देवी शक्ति की भक्ति में डूबा भोपाल: 521 मीटर लंबी चुनरी यात्रा ने बिखेरी आस्था की अलौकिक छटा

भोपाल/नवप्रदेश। चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर जय माँ भवानी सेवा समिति, भोपाल द्वारा 9वें वर्ष लगातार 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। प्रवक्ता राजेश राय ने बताया कि चुनरी यात्रा के दौरान पूरा शहर देवी शक्ति की भक्ति में डूबा नजर आया। जयकारों की गूंज, भक्ति संगीत की धुन, और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मुख्य अतिथि ने किया कन्याओं का पूजन

एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे ने कन्याओं के दूध से पैर पूजन, अक्षत, फूल और कुंकुम अर्पण कर यात्रा की शुरुआत कराई। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ माँ भवानी के जयकारे लगाते हुए यात्रा को मंगलमय होने का आशीर्वाद दिया। समिति के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि इस वर्ष यात्रा पहले से भी अधिक भव्य और दिव्य रही।

चुनरी यात्रा का भव्य मार्ग

भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत यह विशाल चुनरी यात्रा श्याम नगर मस्जिद, राजीव गांधी चौराहा, हबीबगंज थाना, इंदिरा मार्केट, श्री श्याम पीपल तपोभूमी धाम, रविशंकर नगर बोर्ड कालोनी, चार इमली, ऋषि नगर, कलचुरी भवन, एकांत पार्क, दुर्गा नगर, कोलार कॉलोनी, चूना भट्टी होते हुए श्री माँ कालका बिजासन देवी दरबार पहुँची। यहाँ माँ कालिका की विधिवत पूजा-अर्चना कर विशाल चुनरी अर्पित की गई और प्रदेश की समृद्धि व सुख-शांति की प्रार्थना की गई।

विशेष आकर्षण: देवी स्वरूप कन्याओं का रथ

यात्रा में शक्ति स्वरूप देवी का रूप धारण कर कन्याएँ रथ पर सवार थीं। इन कन्याओं का मार्गभर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने इन देवी स्वरूप कन्याओं की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। वहीं, भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर भक्त झूमते नजर आए।

श्रद्धालुओं का अपार उत्साह, स्वागत में बिछाए गए फूल

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं और रहवासियों ने फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया। जगह-जगह फलाहार, शरबत और जल सेवा की गई। समिति के स्वयंसेवकों ने प्रशासन के साथ मिलकर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखी।

प्रमुख अतिथि एवं श्रद्धालु हुए शामिल

इस भव्य यात्रा में एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे, समिति के अध्यक्ष कौशल राय, विनोद चौहान, राजू सांगोलिया, बीएल राय, सुरेंद्र सिंह तोमर, पं. संदीप दुबे, वीरसिंह राय, मनोज महावर, राकेश (टन्नू) दुबे, राकेश ओझा, योगेश सराठे, अरविंद ठाकुर, जितेंद्र बंदे, राजेश राय, संजय चौकसे, प्रमोद राय सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। इस दिव्य आयोजन ने भोपाल की धार्मिक आस्था और भक्ति की शक्ति को पुनः प्रदर्शित किया। माँ भवानी की कृपा से यह यात्रा प्रतिवर्ष और अधिक भव्य एवं भक्तिमय होती रहेगी।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल/नवप्रदेश। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया।

सुविचार

अपने जीवन की उत्तर पुस्तिका को खुद ही जांचिए, अगर दूसरे जांचेंगे तो शर्तिया आपको फेल कर देंगे। - अज्ञात

नई दिल्ली में आप की नई नौटंकी

नई दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार में कार्यकाल के दौरान किये गये। भ्रष्टाचार पर कैग की रिपोर्ट पर भी एक के बाद एक सदन में चर्चा हो रही है। आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार उजागर हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तो नई दिल्ली छोड़कर पंजाब में सक्रिय हो गए हैं। नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में लोगों का ध्यान भटकाने के लिए नित नई नौटंकी कर रही है। विधानसभा में तो मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आतिशी सामना नहीं कर पा रही हैं। इसलिए वे सदन से बाहर सड़क की लड़ाई लड़कर सुर्खियां बटोर रही हैं। आतिशी ने पहले तो भाजपा के चुनावी वादे को लेकर रेखा गुप्ता सरकार के खिलाफ हल्ला बोला था अपने 22 विधायकों और मुट्ठीभर समर्थकों को साथ लेकर महिला सम्मान निधि के ढाई हजार रुपए कब मिलेंगे के पोस्टर बैनर लेकर आंदोलन किया था। नई दिल्ली के बजट में महिला सम्मन निधि का प्रावधान हो जाने के बाद जब आतिशी के पास और कोई मुद्दा नहीं रह गया तो अब उन्होंने नई दिल्ली में तथाकथित बिजली कटौती को लेकर जगह जगह प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। पत्रकार वार्ता लेकर भाजपा पर आरोप लगाने की आदि हो चुकी आतिशी ने फिर से प्रेस कांफ्रेन्स कर यह आरोप लगाया है कि जब से नई दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तब से नई दिल्ली के कई क्षेत्रों में चार घंटे से लेकर आठ घंटे तक बिजली की कटौती की जार रही है। इसलिए लोग अब भाजपा को वोट देकर पछता रहे हैं और अरविंद केजरीवाल की सरकार को याद कर रहे हैं जो चौबीसों घंटे बिजली दिया करती थी। अपने इस आरोप के पक्ष में उन्होंने मीडिया को कुछ पोस्ट दिखाये हैं। जिसमें लोगों ने बिजली कटौती की शिकायत की थी। मीडियाकर्मियों ने जब उन पोस्टों की पड़ताल की तो यह पता चला कि बिजली कटौती की शिकायत करने वाले सभी पोस्ट आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ही सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। जबकि हकीकत यह है कि दिल्ली के कुछ स्थानों पर बिजली बंद होने की वजह यह है कि वहां पर संधारण कार्य चल रहा है। नई दिल्ली में घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बिजली के तारों का जो मकड़ जाल वर्षों से फैलाया गया है, उसे दुरूस्त किया जा रहा है। इस वजह से विद्युत विभाग पूर्व सूचना देकर कुछ घंटों के लिए विद्युत प्रवाह बंद कर रहा है। जिसे आतिशी बिजली कटौती का नाम देकर भाजपा सरकार पर निशाना साध रही हैं। इसी तरह उन्होंने नई दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के मंत्री कपील मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर भी प्रदर्शन किया था। गौरतलब है कि दिल्ली दंगों के लिए कपील मिश्रा को आरोपी बनाने का एक कोर्ट ने ओदश दिया है। इसी मामले को लेकर आतिशी कपील मिश्रा से इस्तीफे की मांग कर रही हैं। वे यह भूल गई हैं कि उनकी सरकार के दौरान खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शराब घोटाले के आरोप में न सिर्फ मामला दर्ज हुआ था बल्कि उन्हें महीनों जेल की हवा भी खानी पड़ी थी। इसके बाद भी उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया था। ऐसे में आतिशी भला किस मुंह से कपिल मिश्रा का इस्तीफा मांग रही हैं। लगता है आप अब पूरे पांच साल तक इसी तरह की नौटंकी करती रहेंगी।

जयंती विशेष भारतीय पत्रकारिता के 'कर्मवीर' पं. माखनलाल चतुर्वेदी

प्रो.संजय द्विवेदी

'कर्मवीर' की संपादकीय नीतिः
माखनलाल जी आम लोगों के बीच से उपजे पत्रकार थे। उनका कहना था कि पत्र संपादक की दृष्टि परिणाम पर सतत लगी रहनी चाहिए। क्योंकि वह समस्त देश के समक्ष उत्तरदायी है। वे समाचार पत्रों में उत्तरदायित्व की भावना भरना चाहते थे। वहीं उनके मन में समाचार पत्र की पूर्णता को लेकर भी विचार थे। उनकी सोच थी कि हमें अपने पत्रों को ऐसा बनाना चाहिए कि हम पर ज्ञान की कमी का लांछन न लगे। वे पत्रकारिता जगत में फैल सकने वाले प्रदूषण के प्रति भी आशंकित थे। इसी के चलते उन्होंने अपने लिए आचार संहिता भी बनाई। आज जब पत्रकारिता और पत्रकारों के चरित्र पर सवालिया निशान लग रहे हैं तो यह सहज ही पता लग जाता है कि दादा वस्तुतः कितनी अग्रगामी सोच के वाहक थे। हिंदी पत्र साहित्य को उनकी एक बड़ी देन यह है कि उन्होंने कई तरह से हिंदी को मोड़ा और लचीला बनाया। भाषा को समृद्ध एवं जनप्रिय बनाने में उनका योगदान सदा स्मरणीय रहेगा। 4 अप्रैल,1925 को खंडवा से कर्मवीर का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। 'कर्मवीर' के संपादक के रूप में पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने अपने संपादन-सिद्धांत बनाए और उन्हें घोषित किया ।

पं.माखनलाल चतुर्वेदी के संपादन में निकला 'कर्मवीर' एक ऐसा पत्र है, जिसकी धमक हम आज भी महसूस करते हैं। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 'कर्मवीर' एक ऐसा नाम है, जिसे छोड़कर भारतीय पत्रकारिता का समग्र मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसी तरह उसके संपादक पं. माखनलाल चतुर्वेदी और उनकी संपूर्ण जीवनयात्रा, आत्मसमर्पण के खिलाफ लड़ने वाले संपादक की यात्रा है। रचना और संघर्ष की भावभूमि पर खड़ी हुई उनकी लेखनी में अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध का जज्बा न चुका, न कम हुआ। वस्तुतः वे एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रहे थे और कोई मोर्चा ऐसा न था, जहां उन्होंने अपनी छाप न छोड़ी हो। सही मायने में 'कर्मवीर' के संपादक ने अपने पत्र के नाम को सार्थक किया और माखनलाल जी स्वयं कर्मवीर बन गए। 4 अप्रैल, 1889 को होशंगाबाद(मप्र) के बाबई जिले में जन्में माखनलालजी ने जब पत्रकारिता शुरू की तो सारे देश में राष्ट्रीय आंदोलन का प्रभाव देखा जा रहा था। राष्ट्रीयता एवं समाज सुधार की चर्चाएं और फिरंगियों को देश बदर करने की भावनाएं बलवती थीं। इसी के साथ महात्मा गांधी जैसी तेजस्वी विभूति के आगमन ने सारे आंदोलन को एक नई ऊर्जा से भर दिया। दादा माखनलाल जी भी उन्हीं गांधी भक्तों की टोली में शामिल हो गए। गांधी के जीवन दर्शन से अनुप्राणित दादा ने रचना और कर्म के स्तर पर जिस तेजी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा एवं गति दी वह महत्व का विषय है।

पत्रकारिता का गांधी समय

इस दौर की पत्रकारिता भी कमोवेश गांधी के विचारों से खासी प्रभावित थी। सच कहें तो हिंदी पत्रकारिता का वह जमाना ही अजीब था। आम कहावत थी। जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। और सच में अखबार की ताकत का अहसास आजादी के दीवानों को हो गया था। इसी के चलते सारे देश में आंदोलन से जुड़े नेताओं ने अपने पत्र निकाले। जिनके माध्यम से ऐसी जनचेतना पैदा की कि भारत आजादी की सांस ले सका। वस्तुतः इस दौर में अखबारों का इस्तेमाल एक अस्त्र के रूप में हो रहा था और माखनलाल जी का 'कर्मवीर' इसमें एक जरूरी नाम बन गया था। हालांकि इस दौर में राजनीतिक एवं सामाजिक पत्रकारिता के समानांतर साहित्यिक पत्रकारिता का एक दौर भी चल रहा था। सरस्वती और उसके संपादक महावीर प्रसाद द्विवेदी उसके प्रतिनिधि के रूप में उभरे। माखनलाल जी ने भी 1913 में प्रभा नाम की एक उच्चकोटि की साहित्यिक पत्रिका के माध्यम से इस क्षेत्र में सार्थक हस्तक्षेप किया। लोगों को झकझोरने एवं जगानेवाली रचनाओं के प्रकाशन के माध्यम से प्रभा शीघ्र ही हिंदी जगत का एक जरूरी नाम बन गयी। दादा की 56 सालों की ओजपूर्ण पत्रकारिता की यात्रा में प्रताप, प्रभा व कर्मवीर उनके विभिन्न पड़ाव रहे। साथ ही उनकी राजनीतिक वरीयता भी बहुत उंची थी। वे बड़े कवि थे, पत्रकार थे पर उनके इन रूपों पर राजनीति कभी हावी न हो पायी। इतना ही नहीं जब प्राथमिकताओं की बात आयी तो मप्र कांग्रेस का वरिष्ठतम नेता होने के बावजूद उन्होंने सत्ता में पद लेने के बजाए मां सरस्वती की साधना को ही प्राथमिकता दी। आजादी के बाद 30 अप्रैल, 1968 तक वे जीवित रहे पर सत्ता का लोभ उन्हें स्पर्श भी नहीं कर पाया। इतना ही नहीं 1967 में भारतीय संसद द्वारा राजभाषा विधेयक पारित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को वह पद्मभूषण का

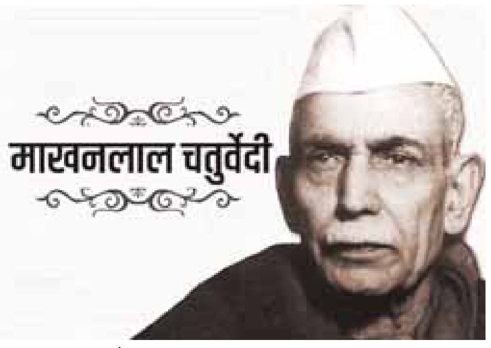

अलंकरण भी लौटा दिया, जो उन्हें 1963 में दिया गया था। उनके मन में संघर्ष की ज्वाला हमेशा जलती रही। वे निरंतर समझौतों के खिलाफ लोगों में चेतना जगाते रहे। उन्होंने स्वयं लिखा है-

अमर राष्ट्र, उद्दंड राष्ट्र, उन्मुक्त राष्ट्र, यह मेरी बोली
यह सुधार-समझौतों वाली मुझको भाती नहीं ठिठोली।

माखनलाल जी सदैव असंतोष एवं मानवीय पीड़ाबोध को अपनी पत्रकारिता के माध्यम से स्वर देते रहे। पत्रकारिता के क्षेत्र में कोई भी जंजीर उन्हें बांध नहीं पायी। उनकी लेखनी भद्रता एवं मर्यादा की तो कायल थी किंतु वे भय, संत्रास एवं बंधनों के खिलाफ थे।

'कर्मवीर' और उसके संपादक के तेवर

'कर्मवीर' के संपादक कैसे संपादक थे, इसे बताने के लिए उन्होंने कहा कि - "हम फक्कड़ सपनों के स्वर्गों को लुटाने निकले हैं। किसी की फरमाइश पर जूते बनानेवाले चर्मकार नहीं हैं हम।" यह निर्भीकता ही उनकी पत्रकारिता की भावभूमि का निर्माण करती थी। स्वाधीनता आंदोलन की आंच को तेज करने में उनका कर्मवीर अग्रणी बना। कर्मवीर की परिधि व्यापक थी। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषयों पर समान अधिकार से चलने वाली संपादक की लेखनी हिंदी को सोच की भाषा देने वाली तथा युगचिंतन को भविष्य के परिप्रेक्ष्य में व्यक्त करने वाली थी। कर्मवीर जिस भाषा में अंग्रेजी राजसत्ता से संवाद कर रहा था, उसे देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारतीय जनमानस में आजादी पाने की ललक कितनी तेज थी।

स्वाधीनता आंदोलन में अपने प्रखर हस्तक्षेप के अलावा कर्मवीर ने जीवन के विविध पक्षों को भी पर्याप्त महत्व दिया। आए दिन होने वाली घटनाओं को मापने-जोखने एवं उनसे रास्ता निकालने की दिव्यदृष्टि भी कर्मवीर के संपादक के पास थी। अपनी पत्रकारिता के माध्यम से राजनीति के अलावा साहित्य कला और संस्कृति को भी उन्होंने महत्व दिया। साहित्यिक पत्रों के संदर्भ में उनकी समझदारी विलक्षण थी वो कहते हैं- "हिंदी भाषा का मासिक साहित्य बेढंगें और बीते जमाने की चाल चल रहा है। यहां बरसाती कीड़ों की तरह पत्र पैदा होते हैं। फिर भी यह आश्चर्य नहीं कि वे मर क्यों जाते हैं। यूरोप में हर पत्र अपनी एक निश्चित नीति रखता है। हिंदी वालों को इस मार्ग में रीति की गंध नहीं लगी।" यह टिप्पणी आज के संदर्भ में भी प्रासंगिक है। अपने लंबे पत्रकारीय जीवन के माध्यम से दादा ने नई पीढ़ी को रचना और संघर्ष का जो पाठ पढ़ाया वह आज भी हतप्रभ कर देने वाला है। कम ही लोग जानते होंगें कि दादा को इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। उनके संपादकीय कार्यालय यानी घर पर तिरसठ बार छापे पड़े, तलाशियां हुयीं। 12 बार वे जेल गए। कर्मवीर को अर्थाभाव में कई बार बंद होना पड़ा। लेखक से लेकर प्रूफरीडर तक सबका कार्य वे स्वयं कर लेते थे। इन अर्थों में दादा विलक्षण स्वावलंबी थे।

पत्रकारिता के मूल्य और राष्ट्र प्रथम की नीतिः

कर्मवीर एक ऐसा पत्र था जिसके संपादक आजादी के आंदोलन के अग्रणी नेता थे। इसलिए राष्ट्र प्रथम उसकी वैचारिक नीति भी रही। आजादी के समय देश के बंटवारे का दंश पूरे देशवासियों के मनों को मथ रहा था। इस भावना को व्यक्त करते हुए 'कर्मवीर' के 15 अगस्त,1947 को माखनलाल जी लिखते हैं-" यह 15 अगस्त है, भारत दो टुकड़े हैं, किंतु आजाद है, क्या पूर्ण आजाद है...? यह जवाहर और जयप्रकाश जानें कि भारत पूर्ण स्वतंत्र होगा या उपनिवेश बनकर रह जाएगा। नोआखली को जानेवाले यात्री गांधी से गांधी से देश 'स्वागत' नहीं कह सकता, क्योंकि देश खंडित है। बिदा भी नहीं कह सकते क्योंकि अखंड भारत और पूर्ण स्वातंय का स्वप्न अभी अपनी मुठ्ठी में लिए वह चला जा रहा है। यह 15 अगस्त है।" इसी तरह पत्रकारिता उनके लिए राष्ट्रसेवा और समाज के जागरण का ही एक माध्यम थी। कर्मवीर के माध्यम से वे यही कर रहे थे। भरतपुर के संपादक सम्मेलन में वे पत्रकारिता जगत का आह्वान करते हुए कहते हैं-"यदि समाचार पत्र संसार की एक बड़ी ताकत है तो उसके सिर जोखिम भी कम नहीं है।

पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं और राष्ट्रीय रक्षा की महान दीवार बनती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है। जगत में समाचार पत्र यदि बड़प्पन पाए हुए हैं, तो उनकी जिम्मेदारी भी भारी है।बिना जिम्मेदारी के बड़प्पन का मूल्य ही क्या है? "

कर्मवीर अपने समय का एक ऐसा पत्र बना जिसने समकालीन रचनाशीलता को बहुत प्रोत्साहित किया। तमाम उदीयमान लेखक इसके माध्यम से लेखन की दुनिया में आए। इसके साथ ही अनेक बड़े लेखक जैसे बालकृष्ण शर्मा नवीन, सुभद्रा कुमारी चौहान, रमाशंकर शुक्ल, भवानी प्रसाद तिवारी, भवानी प्रसाद मिश्र, प्रभाकर माचवे, गजानन माधव मुक्तिबोध, वीरेंद्र जैन, शिवमंगल सिंह सुमन, धर्मवीर भारती ही नहीं दिनकर, रामबृक्ष बेनीपुरी, सोहनलाल द्विवेदी तक इसमें छपते रहे।

मां की आराधना का पावन पर्व

उमा मेहता त्रिवेदी

चैत्र नवरात्रि, हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जो मां दुर्गा की नौ रूपों की आराधना के लिए समर्पित है। यह पर्व, जो चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी इसका विशेष महत्व है। ये नो दिन मां दुर्गा के नौ रूप और उनकी आराधना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। नवरात्रि के नौ दिनों में, मां दुर्गा के नौ रूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा,स्कंदमाता, कात्यायनी,कालरात्रि,महागौरी और सिद्धिदात्री - की पूजा की जाती है। प्रत्येक रूप माँ दुर्गा के विभिन्न पहलुओं का प्रतीक है और उनकी आराधना से भक्तों को शक्ति, समृद्धि, और शांति की प्राप्ति होती है। चैत्र नवरात्रि का महत्व न केवल माँ दुर्गा की आराधना तक सीमित है, बल्कि यह पर्व वसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है। यह समय प्रकृति के नवजीवन का प्रतीक है, और इसलिए इसे नई शुरुआत और सकारात्मकता का समय माना जाता है इस नवरात्रि में,भक्त नौ दिनों तक उपवास रखते हैं और माँ दुर्गा की पूजा करते हैं। कुछ लोग अखंड ज्योति जलाते हैं, जबकि अन्य दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं। माँ दुर्गा को फूल, फल, और मिठाई अर्पित की जाती है, और आरती और भजन गाए जाते हैं। चैत्र नवरात्रि का सांस्कृतिक महत्व भी बहुत अधिक है। इस दौरान, कई स्थानों पर रामलीला का आयोजन किया जाता है, जो भगवान राम की कथा का मंचन होता है। यह पर्व समाज को एक साथ लाता है और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देता है। इस तरह चैत्र की नवरात्रि माँ दुर्गा की आराधना का एक पावन पर्व है, जो हमें शक्ति, समृद्धि, और शांति का संदेश देता है। यह पर्व हमें यह भी याद दिलाता है कि बुराई पर हमेशा अच्छाई की जीत होती है।

प्रेरक प्रसंग

मैं तो बापू का चपरासी हूँ

बिहार के चंपारन जिले में महात्मा गाँधी का शिविर लगा था। किसानों पर होने वाले सरकारी अत्याचारों की जाँच चल रही थी। हजारों की तादाद में किसान आ-आकर बापू से अपने दुःख निवेदन कर रहे थे। उस समय उस जाँच आंदोलन में कृपलानी जी का बड़ा प्रमुख सहयोग था। वे गाँधी जी के कैंप सेक्रेटरी के रूप में काम कर रहे थे। इसलिए जिला अधिकारियों की आँख की किरकिरी बने हुए थे। इस जाँच-पड़ताल के दौरान महात्मा जी को अनेक चिट्ठियाँ दिन में बहुत बार कलेक्टर के पास भेजनी पड़ती थीं। यह सब डाक ले जाने का काम कृपलानी जी ही करते थे। कृपलानी जी को डाक लाते-ले जाते देखकर एक बार कलेक्टर ने पूछा आप ही तो वह प्रो. कृपलानी हैं, जो इस सब हलचल के मुखिया हैं। फिर आप यह डाक का काम क्यों करते हैं? कृपलानी जी ने उत्तर दिया, "मैं तो एक साधारण कार्यकर्त्ता और बापू का चपरासी हूँ।" कृपलानी जी का उत्तर सुनकर कलेक्टर ने महात्मा गाँधी की महानता को समझा और आंदोलन की गरिमा का अंदाज लगा लिया।

आज का पंचांग

सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त : 06:39, चन्द्रोदयः : 09:28, चन्द्रास्तः :24:31, अयन : उत्तरायणे (उत्तरगोलीय), ऋतु : वसंत, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (कालयुक्त), मास : चैत्र, पक्ष : शुक्ल, तिथि : सप्तमी, नक्षत्र : आर्द्रा, योग : शोभन, प्रथम करण : कौलव (10:40 तक), द्वितीय करण : तैतिल (21:41 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : कुम्भ, चंद्र : मिथुन (18:21 से), मंगल : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : मीन (अस्त, पश्चिम , वक्री), गुरु : वृष (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शुक्र : मीन (अस्त, पश्चिम, वक्री), शनि : मीन (अस्त, पश्चिम, मार्गी), राहु : मीन, केतु : कन्या।

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त : 11:55 से 12:45, अमृत काल : 21:29 से 23:0, रवियोग : 07:02 से 29:51, विजय मुहूर्त : 14:26 से 15:16, गोधूलि मुहूर्त : 18:35 से 18:58, सायाह्न सन्ध्या : 18:37 से 19:45, निशिता मुहूर्त : 23:57 से 24:43, राहुकाल : 10:30 से 12:00, राहुवास : दक्षिण, यमगण्ड : 06:04 से 07:38, दुर्मुहूर्त : 10:15 से 11:05, होमाहुति : बुध (29:51 से शुक्र), दिशाशूल : दक्षिण, नक्षत्र शूल : पश्चिम (07:02 तक), अग्निवास : पृथ्वी (21:41 तक), चन्द्र वास : दक्षिण (पश्चिम 18:22 से)।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1716 में आज ही के दिन उत्तरी जर्मनी के विस्मार पर रूस और प्रशिया की सेनाओं ने कब्जा किया था। 1818 में 4 अप्रैल के दिन ही अमेरिकी कांग्रेस ने राष्ट्रध्वज में '13 लाल और सफेद स्ट्रिप्स और 20 सितारे' शामिल करने को मंजूरी दी थी। 1916 में आज ही के दिन अमेरिकन सीनेट ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लेने को मंजूरी दी थी। 1941 में 4 अप्रैल के दिन ही लीबिया के बेनगाजी शहर पर जर्मनी की सेना ने कब्जा किया था। 1949 में आज ही के दिन उत्तरी अटलांटिक सैन्य संगठन की स्थापना हुई थी। 1960 में 4 अप्रैल के दिन ही अफ्रीकी देश सेनेगल ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल करने की घोषणा की थी।

1968 में आज ही के दिन अमेरिका के मानवाधिकार कार्यकर्ता मार्टिन लूथर किंग की हत्या कर दी गई थी। 1975 में आज ही के दिन बिल गेट्स और पॉल एलन के बीच हुए समझौते के फलस्वरूप माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना हुई थी। 1979 में 4 अप्रैल के दिन ही पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिक्कार अली भुट्टो को फांसी की सजा दे दी गई थी।

पाठकों की बात
पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

अक्सर तेरा

अक्सर तेरा ज़िक्र जब सुना , मन ने नया एक ख्वाब बुना। आवाज़ सुनी बहुत सुरीली , आंखे भी जैसे मस्त नशीली। तुझे देखने के लाख बहाने, गुनगुनाते मस्त बने तराने। जिस रोज़ तेरा दीदार हुआ, दिल बेचारा बीमार हुआ। यूं लगा महकता शबाब हो, चिलमन में जैसे महताब हो, कहीं खो गए दिलों जान मन में आए नए अरमान। क्या ग़ज़ब होगा ,यक़ीनन, जब अपनी मुलाकात होगी । हर खूबसूरत शै मुरीद होगी , उस दिन अपनी भी ईद होगी।

- सुधीर वत्स

जिंदा है अब

जिंदा है अब भी मन के भाव का संज्ञान भूला नहीं दोस्त परिंदा गांव खलिहान । तितलियों की प्रीत भौंरे गुनगुनाए गीत भाता है कितना पीपल की छांव मचान।

- सुरेश वैष्णव

ख़ास पाती

पहले सागर कर दिया था सहरा

पहले सागर कर दिया था सहरा जैसी प्यास को क़त्ल फिर उसने किया था रूह के अहसास को उस समुंदर से तो अच्छा ज़िन्दगी में सहरा है पास होकर भी अगर तरसा किए हैं पास को अपना दिल भी और का लगने लगा हो जब कभी इश्क़ कहते हैं, मुहब्बत भी इसी आभास को मर गया रिश्ता मगर ज़िन्दा हैं, यादें अब तलक याद करता है अभी भी दिल मेरा उस खास को तुक मिलाकर शायरी कर रहे हैं कुछ लोग बस 'मित्र' कहना मत कभी भी शायरी बकवास को - **मित्र ग़ाज़ियाबादी**

कह कर जब अपना पुकार लिया

कह कर जब अपना पुकार लिया तुमने कि इसी तमन्ना के सहारे जी लिया मैंने कर लिया बातों मे आकर तेरा एतबार क्या नया कोई गुनाह ये कर लिया मैंने मुझसे मेरी बात करे ये दिल करता है तेरे सिवा तुझसे क्या चाह लिया मैंने बेखौफतेरे हमकदम बनकर चलूं अब अब डर कैसा अपना मान लिया मैंने दिन और रात का हमें फर्क नही मालुम दिन गिन इंतजार में एक कर लिया मैंने - **सपना चन्द्रा**

इब्तिदा-ए -इश्क में अपना यह

इब्तिदा-ए -इश्क में अपना यह हाल है आफत में जान है और जीना मुहाल है, वो मस्तियां, वो शोखियां जाने किधर गयीं दिल टुकड़े टुकड़े है, रूह तक निढाल है उनकी ही जुस्तजू है बस, उनकी ही आरज़ू पहलू में उनको पा के भी, उनका ख्याल है सागर भी कितना खुश्क है ,इक कतरे के तले तिश्नालबी तो देखिये , यह बेमिसाल है दुआ भी बेअसर है आज़ारे -इश्क़ में दिल को क़रार आ जाये , क्या मज़ाल है **-अनु मित्तल**

तेरी यादों में रहते रहते खुद से ही अनजान

तेरी यादों में रहते रहते खुद से ही अनजान हुए तुम हमसे जो दूर हुए मन भावों से बेजान हुए।। जीवन तुम बिन सूना सूना सब कुछ हमसे दूर हुआ। जनम जनम के बंधन टूटे मेरे अपनें मुझसे दूर हुए।। मेरी सांसे तुम्हे पुकारें ये तन मन तेरे नाम हुए। तुमको खोया तो ये जाना मुश्किल सारे काम हुए।। तुम से मेरी दुनियां जगमग तुम बिन रात अमावस सी। विरह में तेरे मीरा से हम इस जग से अनजान हुए।। मेरे गीतों में जीवित हो तुम शब्द शब्द में बसते हो। कैसे जिएं जरा बतलाओ तुम बिन बस नाकाम हुए।। तेरी बातें याद करूं तो मुस्कराहट आ जाती मुख पर। बावली कहकर लोग पुकारे हम जग में बदनाम हुए।। पीड़ा अपनी किसे बतलाऊं खुद को बस बेबस पाऊं। तुमको खोया तो ये जाना हम तो बस श्मशान हुए।। - **रश्मि ठाकुर**

तुम्हें परिभाषित किन विशेषणों से

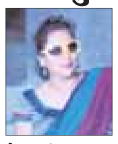

तुम्हें परिभाषित किन विशेषणों से करूँ मैं,,नियमबद्ध, ऊर्जा स्त्रोत,देव,शक्ति पुंज,ऋतु पिता,ग्रह गृह,चंद्र आवास, प्रौढ़ सितारा,भोर प्रहरी,आकाश की लालिमा,यामेरे इष्ट,, तुम्हारे स्वागत में जगना मेरी और बहुतों की आदत जो है तो तुम्हें अलार्म घड़ी भी कह दूँ न? सूर्य तुम मुझे संत से भी लगते हो जो अपनी अग्नि में नहीं जला कभी,, मुझे बनना है तुम सा, - **शुचि भवि**

थक गई हैं यात्राएं और थक गए है

थक गई है यात्राएं और थक गए है रास्ते कुछ कदम शेष छोड़ कर यात्राओं ने अपने अब तक की यात्रा में हर बार रेगिस्तान को ही पार किया और ..और रास्तों ने पतझड़ से ही मेल किया ये उस मेल का ही परिणाम था जो तृष्णा का जन्म हुआ और अतृप्त मन के बोझ तले कुछ कदम शेष छोड़ कर थक गई यात्राएं शायद!! - **नमन कुमार मिश्रा**

QUIZ TIME

1) चूलिया जलप्रपात किस नदी पर स्थित है?

2) हाल ही में खबरों में रही नौका बैच किस राज्य की पारंपरिक नौका दौड़ है?

3) प्रोजेक्ट नेक्सस का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

4) मनी म्यूल क्या है?

5) भारत में ब्रिटेन की पहली महिला उच्चायुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) चम्बल नदी (2) पश्चिम बंगाल (3) तत्काल सीमा पार खुदरा भुगतान सक्षम करने के लिए (4) कोई व्यक्ति जो अवैध रूप से प्राप्त धन को किसी और के लिए स्थानांतरित करता है (5) लिंडी कैमरून

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत गुरुजी

मेषः आज आप पूर्वनियोजित कार्यो को आगे बढ़ाएंगे इसमें सहकर्मी एवं परिजनों का भी महत्वपूर्व सहयोग मिलेगा।

वृषः आज का दिन शुभफलदायी रहेगा सेहत छोटी मोटी व्याधि को छोड़ सामान्य रहेगी लेकिन फिर भी कार्यो में आलस्य करने से विलम्ब होगा।

मिथुनः आज भी परिस्थितिया प्रतिकूल रहने से कोई राहत की उम्मीद नहीं दिखेगी। लोग आपके हर निर्णय को गलत साबित करेंगे।

कर्कः आज दिन का पूर्वार्ध आपकी आशाओं से थोड़ा कम लाभ देगा फिर भी कार्यो को बेहतर रूप से करने की कोशिश करेंगे।

सिंहः आज के दिन आप अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति कर सकेंगे कार्य व्यवसाय में सरकारी सहयोग मिलने की संभावना अधिक रहेगी लोन सम्बंधित कार्य आज करना लाभदायक रहेगा।

कन्याः आज दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत करेंगे परन्तु बीच-बीच में पारिवारिक उलझने परेशान करेंगी। व्यवसाय में परिश्रम का फल विलम्ब से मिलेगा।

तुलाः आज आप अपनी आवश्यक कार्यों की पूर्ति हेतु कुछ भी करने के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए प्रत्येक कार्यो में विजय दिलाने वाला रहेगा परन्तु विरोधी भी प्रबल रहने से सफलता आसान नहीं रहेगी।

धनुः आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। शारीरिक रूप से चुस्त रहेंगे लेकिन असमय क्रोध आने से रक्तचाप अनियंत्रित हो सकता है।

मकरः आज आप अपनी मनमानी नीति के चलते सार्वजानिक क्षेत्र पर आलोचना के शिकार होंगे।

कुंभः आज के दिन आप पूर्वाग्रह से ग्रसित रहेंगे। अपने जिद्दी स्वभाव के कारण आसपास का वातावरण अशान्त बनाएंगे।

मीनः आज का दिन आपको अवश्य धन लाभ कराएगा। सेहत भी साथ देने से कार्यो में उत्साह बना रहेगा।

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -007

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे
1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 006 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

शिक्षक की कमी को लेकर अभिभावक और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से की शिकायत

कोण्डागांव/नवप्रदेश। जनपद पंचायत माकड़ी के ग्राम पंचायत हीरापुर में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसी समस्या को लेकर छात्रों के पालक व जनप्रतिनिधियों का एक समूह 2 अप्रैल को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और उचित समाधान की मांग की। हीरापुर के उप सरपंच मंगलेश राठौर सहित ग्रामीणों व अभिभावकों ने शिकायत दर्ज कराई कि विद्यालय में केवल हीरापुर ही नहीं, बल्कि आसपास के 10 ग्राम पंचायतों के 300 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। हालांकि, यहां 14 शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 7 शिक्षक ही कार्यरत हैं। शिक्षकों की इस कमी के कारण पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

अभिभावकों का कहना है कि बार-बार मांग के बावजूद शिक्षकों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही, जिससे बच्चों का भविष्य अंधकार में जा सकता है। इसी को लेकर वे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और जल्द से जल्द रिक्त पदों को भरने की मांग की। इस मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने कहा कि, शिक्षकों की कमी को लेकर ग्रामीणों की शिकायत मिली है। चूंकि यह शैक्षणिक सत्र का अंतिम चरण है, इसलिए नए सत्र में कलेक्टर की अनुशंसा पर अन्य विद्यालयों से समन्वय बनाकर शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे।

50 वर्षों की यात्रा को किया यादकर नपा ने मनाया स्थापना दिवस

कोण्डागांव/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद का स्थापना दिवस 1 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, सीएमओ दिनेश डे, पार्षदगण, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका की स्थापना 1 अप्रैल 1975 को हुई थी। उस दौरान नगर का कार्यालय जय स्तंभ चौक के पास खबरेल से बनी भवन में संचालित होती रही है उस दौरान नगर पालिका में केवल 11 वार्ड थे, जो 1980 में बढ़कर 12, 1985 में 18 और 2019 में 22 वार्ड हो गए। वर्ष 2013 में डीएनके में नए भवन का निर्माण कर कार्यालय संचालित है ।वर्तमान में नगर पालिका क्षेत्र की जनसंख्या लगभग 40,000 है। स्थापना दिवस के अवसर पर नगर पालिका की विकास यात्रा को भी याद किया गया। पहले मनोनीत अध्यक्ष के,के गांधी ने 1 अप्रैल 1975 से 31 मार्च 1978 तक पदभार संभाला था। इसके बाद प्रशासनिक अध्यक्ष एसएस खंडालकर 1 अप्रैल 1978 से 3 मई 1978 तक रहे। नगर पालिका के पहले निर्वाचित अध्यक्ष प्रेम राज जैन थे, जिन्होंने 20 अक्टूबर 1983 से 27 फरवरी 1988 तक नगर पालिका का नेतृत्व किया। अब तक कुल 20 अध्यक्षों ने नगर पालिका की बागडोर संभाली है। इस अवसर पर नगर के विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था और आने वाले समय में नगर पालिका की योजनाओं पर चर्चा की गई। नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर सभी का मुंह मीठा किया गया।

नगर पालिका के 50 वर्ष के सफर पर नगर के मणिशंकर देवांगन अस्पताल वार्ड निवासी कहते है कि नगर पालिका के स्थापना के बाद नगर पालिका का हर क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास हुआ। नगर पालिका बनने से शासन हर योजना लोंगो तक आसानी से पहुँच रही है और लाभ मिल रहा है।नगर में आवश्यक सभी सुविधा नगर पालिका क्षेत्र में उपलब्ध हो रही है। वर्तमान समय मे आम जनता के आवश्यकता अनुरूप कार्य योजना बना कर लाभ पहुँचाई जा रही है।

न्यूज गैलरी

भारतीय रिजर्व बैंक स्थापना दिवस पर बौद्ध युवक-युवती संघ ने अंबेडकर चौक में दी श्रद्धांजलि

कोण्डागांव/नवप्रदेश। बौद्ध युवक-युवती संघ कोंडागांव ने 1 अप्रैल को भारतीय रिजर्व बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर अंबेडकर चौक में कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।मंगलवार शाम 7 बजे संघ के सदस्यों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और मोमबत्तियां जलाकर उनके योगदान को याद किया। इस दौरान सदस्यों ने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में डॉ. अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर शहर के सभी बैंक बंद रहे। कार्यक्रम में संघ के प्रमुख सदस्य आशीष ठावरे, संदीप बासनीकर, सिद्धार्थ महाजन, देवेंद्र धारगाये, अमित गड़पायले, मिलिंद तुरकर, यशपाल तूरकर, दौलत मेश्राम, रूपेश मेश्राम, उमेश मेश्राम, नारायण मोठघरे, विजय गनवीर, प्रवीण रामटेके और पूजा गड़पायले सहित बौद्ध समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन: जल संरक्षण पर की गई चर्चा, दिलाई गई शपथ

कांकेर। कांकेर जिले के ग्राम मरमाकोनाड़ी, बेलोड़ा, काकबरस में जलजीवन मिशन अंतर्गत हर घर नल, हर घर जल योजना के तहत जन जल जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों को जल संरक्षण, जल प्रबंधन और स्वच्छ पेयजल की महत्ता से जागरूक करना है। जिला समन्वयक ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में जल संरक्षण का महत्व, पानी की बर्बादी रोकने और सतत जल आपूर्ति बनाए रखने, वर्षा जल संचयन अंतर्गत बारिश के पानी को संचित करने के लिए गांव में छोटे जलाशय, तालाब और छत जल संचयन तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया गया। जल गुणवत्ता की निगरानी के तहत हर घर में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए नियमित जल परीक्षण और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया। ग्राम के सरपंच ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देने और गांव के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरा पुलिस विभाग

कांकेर । कुछ दिनों से शहर में यातयात का दबाव बढ़ गया है आए दिन बड़े वाहनों के कारण शहर की यातायात व्यवस्था चौपट हो जाती है। वाहनों की लंबी कतारों में पुलिस के आला अफसर से लेकर जन प्रतिनिधि तक फंस चुके हैं। बढ़ती यातायात दबाव को चाक चौबंद करने और शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के.एलिसेला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा के निर्देशानुसार दीपक सॉव यातायात प्रभारी कांकेर एवं यातायात टीम के द्वारा शहर मे मार्ग एव पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु गुरुवार को को यातायात एव नगरपालिका टीम के द्वारा शहर के मस्जिद चौक से ठेला एव सब्जी पसरा वालों को हटाया गया। घड़ी चौक परशुराम चौक में स्टॉपर लगाया गया। ताकि शहर में चलने वाली वाहनों की गति पर अंकुश लगाया जा सके। किसी भी प्रकार की दुर्घटना ना हो सके इसी प्रकार केडी अस्पताल अंदर जाकर पार्किंग व्यवस्था हो सुदृढ़ किया एवं नया बस स्टैंड मे भी बस एवं ऑटो चालकों को सही पार्किंग में लगाने समझाइए दिया गया। जिससे शहर में यातायात व्यवस्था बनी रहे एवं किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो इस प्रकार यातायात टीम द्वारा शहर में पार्किंग एवं मार्ग व्यवस्था में सुधार हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है। शहर में सभी चौक चौराहों पर एवं भीड़भाड़ वाले जगहों और मार्केट एरिया मे यातायात बल

कांचेका प्रतिनिधि मंडल की चेतावनी के बाद जागी पालिका

कांकेर/नवप्रदेश। कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा कल विभिन्न मांगों को लेकर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरुण कौशिक को ज्ञापन सौंपा गया था जिस पर उन्होंने तत्परता दिखाते हुए गुरुवार को मस्जिद के सामने अनाधिकृत रूप सब्जी बेचने वाले,ठेले वाले,आटो वालों को हटाया गया।इनके यहां बैठने से वहाँ स्थित दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा था। कांकेर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अनूप शर्मा महामंत्री दिनेश रजक,उपाध्यक्ष राकेश आहूजा, उपाध्यक्ष रवि लालवानी, उपाध्यक्ष उदय प्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष सचिन गिडलानी, मंत्री मनीष देवनानी, मंत्री शकील मेमन, मंत्री सन्नी खटवानी, पूर्व कोषाध्यक्ष केतन व्यास, मनोहर लालवानी, निर्मल माहेश्वरी रूपेद्र बैस आदीप शर्मा,विकास गुप्ता, प्रतीक लालवानी ने नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक का आभार व्यक्त करतें हुए कहा कि हम सभी व्यापारीगण नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा तत्काल कार्यवाही करतें हुए मस्जिद के सामने व्यापार कर रहें व्यापारियों को उनकी बहुत पुरानी समस्या का समाधान कर राहत दिलाया हैं। जिसके लिए कांकेर चेंबर ऑफकॉमर्स के साथ साथ कांकेर नगर के समस्त व्यापारी बंधु एवं आम जनता ने पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया

गरज-चमक के साथ बरसे बादल, लोगों को मिली गर्मी से राहत

अंतागढ़/नवप्रदेश। मौसम में हुआ बदलाव दोपहर होते ही गरज चमक के साथ बरसे बादल लोगो को मिली गर्मी से राहत बता दे कि अप्रैल के महीने में मई जैसा गर्मी लोगो को बेहाल कर रही थी। किंतु गुरुवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज देखने को मिला धूप छांव की लुकाछिपी दिन भर चलता रहा। फिर दोपहर होते ही मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ अंतागढ़ में जमकर बारिश हुई। जिससे लोग बाहर निकलकर खुशनुमा मौसम का आनंद लेने लगे कुछ हद तक गर्मी का असर कम रहा। किंतु उमस रही मौसम बदलने से किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन आधी तूफान चलने और बारिश होने की बात कही है जिसका असर अंतागढ़ में भी देखने को मिला मौसम में बदलाव होने के चलते तापमान में गिरावट आई है ।

14 अप्रैल को होगा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण

अंतागढ़/नवप्रदेश। अगामी 14 अप्रैल को बाबा साहेब अंबेडकर जी की जंयती व अंबेडकर कांपलेक्स में बाबा साहेब की मूर्ति अनावरण के संबंध में नयापारा स्थित अंबेडकर भवन में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्व समाज प्रमुख उपस्थित हुए, बैठक में आयोजन संबंधित विशेष चर्चा की गई। साथ ही इस बार बड़े हर्षोल्लास के साथ भव्य रुप से आयोजन करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में सर्व सम्मति से जो निर्णय लिए गए जिसमें शोभा रैली सुबह 7 बजे आंबेडकर भवन अंतागढ़ से गोल्डन चौक तक निकाली जाएगी।

समारोह का शुभारंभ झंडारोहण तथा राष्ट्रगीत के साथ किया जाएगा तत्पश्चात मुख्य अतिथि महोदय द्वारा बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण होगा। समारोह में विशिष्ट व्यक्तियो का सम्मान साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त प्रतिभाओं का सम्मान तत्पश्चात, सर्व समाज द्वारा सर्वसमाज के लिए, सामुदायिक भवन में प्रीतिभोज के साथ समारोह का समापन करना है। जयंती समारोह को सुचारू रूप से मनाने हेतु, आयोजन समिति, क्रय समिति तथा संपर्क समिति इत्यादि का गठन किया गया ।

शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन का समय परिवर्तित

कांकेर/नवप्रदेश। ।लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर द्वारा जारी आदेश के परिपालन में प्रदेश में पड़ रही तेज गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए जिले की सभी शासकीय, अशासकीय स्कूलों शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन के समय में परिवर्तन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सोमवार से शनिवार तक एक पाली में संचालित समस्त प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई एवं हायर सेकेण्डरी शालाएं प्रातः 07 बजे से 11 बजे तक संचालित की जाएंगी। वहीं दो पॉलियों में संचालन होने वाली प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शालाएं प्रातः 07 बजे से 11 बजे तक तथा हाई-हायर सेकेंण्डरी शालाएं प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक संचालित की जाएंगी।

मनरेगा श्रमिकों को मिलेगी प्रति दिवस 261 रुपये की दर से मजदूरी भुगतान

कोण्डागांव/नवप्रदेश। कोण्डागांव जिले में महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत रोजगार मूलक कार्य हेतु शासन ने 18 रुपये की बढोत्तरी करते हुए 261 रुपये प्रति दिवस किया गया है। योजना अंतर्गत पूर्व वित्तीय वर्ष में 243 रुपये मजदूरी प्रदाय किया जा रहा था। उक्त बढ़ी हुई मजदूरी दर अकुशल श्रमिको को दिनांक 01 अप्रैल 2025 से मिलना प्रारंभ हो जाएगा। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 अंतर्गत तकनीकी प्राक्कलन बढ़ी हुई मजदूरी के अनुसार बनाया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई के द्वारा बताया गया है कि 261 रुपये मजदूरी दर की जानकारी समस्त ग्राम पंचायत के नोटिस बोर्ड में चस्पा करने के निर्देश रोजगार सहायकों को दिए गए हैं। साथ ही साथ दीवाल लेखन कर प्रचार प्रसार किये जाने के निर्देश दिए गए है।कोंडागांव जिला अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लेबर बजट कुल 23.50 लाख स्वीकृत हुआ था जिसके विरुद्ध दिनांक 31.03.2025 की स्थिति में कुल 29.95 लाख मानव दिवस सृजित किया गया है जो की दिए गए लक्ष्य का 129.16 प्रतिशत है। साथ ही साथ 8521 परिवारों को 100 दिवस का रोजागर प्रदाय कर लाभन्वित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जिले को कुल 16.42 लाख मानव दिवस का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिस हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्ययोजना के अनुसार कार्यो की स्वीकृति प्रदाय कर लक्ष्य को पूर्ण कर लिया जाएगा।

पतली पारदर्शी यूनिफॉर्म को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव/नवप्रदेश। शासन द्वारा दी गई पतली और पारदर्शी यूनिफॉर्म को लेकर कोण्डागांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराया है। इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ की कार्यकर्ताओं ने 2 अप्रैल को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उनका आरोप है कि वर्तमान में मिली यूनिफॉर्म इतनी पतली और पारदर्शी है कि उसे पहनकर फील्ड में कार्य करना मुश्किल हो गया है। संघ की जिलाध्यक्ष पुष्पा राय ने बताया कि कोण्डागांव जिले में 1845 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 1845 सहायिका कार्यकर्ता कार्यरत हैं। शासन की ओर से हर वर्ष दो साड़ियां यूनिफॉर्म के रूप में दी जाती हैं, लेकिन वर्ष 2024 में वितरित साड़ियां बेहद पतली और पारदर्शी हैं। इस कारण से अब तक कोई भी कार्यकर्ता इनका उपयोग नहीं कर पाया है।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि अब विभाग दबाव बना रहा है कि इन्हीं यूनिफॉर्म को पहनकर फील्ड में कार्य करें, जो कि नैतिक और व्यावहारिक रूप से असंभव है। इसी समस्या को लेकर वे कलेक्टर के समक्ष अपनी मांगें रखने पहुंचे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें बेहतर गुणवत्ता की यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे बिना किसी असुविधा के अपने कार्यों का निर्वहन कर सकें। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

प्रथम पेज का शेष

अब राज्यसभा में अग्नि...

राज्यसभा में जो अन्य दल एनडीए के साथ हैं, उनमें उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) का एक सांसद, पत्तली मक्कल काची, तमिल मनिला कांग्रेस (टीएमसी-एम), नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) के एक-एक सांसद, रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई-ए) का एक सांसद और दो निर्दलीय सांसद हैं।

किए गए कई परिवर्तन

सहयोगी दलों की मांग को स्वीकार करने के साथ ही भाजपा ने सियासी संदेश देने के लिए अपनी ओर से भी विधेयक में कई परिवर्तन किए हैं। मसलन भाजपा युवा मोर्चा के प्रमुख तेजस्वी सूर्या के इस सुझाव को स्वीकार कर लिया है कि पांच वर्षों तक इस्लाम धर्म का पालन करने वाला ही वक्फ को अपनी संपत्ति दान कर सकेगा। दान की जाने वाली संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद होने पर उसकी जांच के बाद ही अंतिम फैसला होगा। पुराने कानून की धारा 11 में संशोधन का स्वीकार कर लिया गया है, जिसमें कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के पदेन सदस्य चाहे वह मुस्लिम हो या गैर मुस्लिम, उसे गैर मुस्लिम सदस्यों की गिनती में शामिल नहीं किया जाएगा। इसका अर्थ यह कि वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है।

भारत-थाईलैंड बढ़ाएंगे ...

भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की

इसके अलावा, पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

दिलों और परंपराओं को जोड़ती है रामायण: मोदी- प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि रामायण वास्तव में एशिया के कई हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ती है।

प्रदेश में बौद्ध सर्किट

के कुलाधिपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस. शास्त्री वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. वैद्यनाथ लाभ के साथ ही, साधारण परिषद के सदस्य प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा, पद्मश्री श्री कपिल तिवारी, श्री अभय कात्यायन और प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिषद के सदस्यों के सुझावों पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में शामिल रहे महाकात्यायन से संबंधित शोध कार्य भी प्रारंभ किया जाए। महाकात्यायन ने उज्जैन से लेकर मथुरा तक भ्रमण करते हुए बौद्ध धर्म का प्रचार किया था। वे तर्क और शास्त्रार्थ में अद्वितीय माने गए थे। बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्ति की उनकी कथा प्रेरक मानी गई है जो धैर्य, ज्ञान और आत्म-अनुशासन के मूल्यों की शिक्षा देती है।

बैठक में जानकारी दी गई कि आगामी नवम्बर माह में भोपाल में इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के रजत जयंती सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सम्मेलन के लिए आवश्यक तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालय के कुलगुरू ने विश्वविद्यालय द्वारा संपादित की जा रही अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी। वर्तमान में विश्वविद्यालय के बालक और बालिका छात्रावास का निर्माण पूरा हो चुका है। अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन और लायब्रेरी भवन का कार्य भी पूर्णता की ओर है।

सीएम यादव को लोकसभा में वक्फ़

उन्होंने भोपाल शहर के मुस्लिम समाजजनों के बीच इस तथ्य को मजबूती के साथ सबके सामने रखा है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और गरीबों को उनका वाजिब ह? दिलाने के लिए सबके साथ खुले मन से चर्चा करके सबके हित में निर्णय लेना जरूरी था और यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की सबसे ब?ी पंचायत लोकसभा में यह बिल पारित हो गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य सभा खुलकर चर्चा कर नियम-कानून और व्यवस्था बनाने के लिए ही जानी जाती है। लोकसभा में बहुमत से यह बिल पारित हुआ है। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के मूल में महिलाओं, गरीबों, जरूरतमंदों और सही अर्थ में वक्फ की ताकत अपने जरूरतमंद मुस्लिम बंधुओं को देने का भाव निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने भोपाल शहर में जो जन आंदोलन चलाया, इसका एक अच्छा संदेश पूरे देश में प्रसारित हुआ कि हमारे यहां कानून को मानने और पालन करने वाली जनता रहती है। वक? बिल के समर्थन में इस सहयोग से हर वर्ग के मन में केन्द्र सरकार और इसकी रीति-नीति के प्रति जनविश्वास सुदृ? होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुस्लिम समाज के सभी जनप्रतिनिधियों को वक? बिल के समर्थन के लिए बधाई और साधुवाद दिया।

सीएम यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा

प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है। इसमें हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, माटी कला, सोलर एनर्जी, परिधान निर्माण, बांस कला इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ किए जा रहे है। प्रशिक्षित होने वाले लोग एक ओर रोजगार से जुड़ेंगे, वहीं दूसरी ओर कक्षा 6 से प्रारंभ होने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक रिसोर्सपर्सन के रूप में भी उपलब्ध होंगे। इस योजना में प्रदेश के 100 आकांक्षी युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार से भी जोड़ा जाएगा। इस योजना को ह्यूमन कैपिटल बैंक के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है। इसका आशय है कि जनभागीदारी से धन दान के रूप में मांग कर बैंक स्थापित किया जा रहा है। प्रदेश के एक जिले में कौशल विकास के लिए राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जा रही है, जिससे निर्धारित कौशलों के विकास के लिये मास्टर ट्रेनर्स तैयार किये जा सकें।

रूक जाना नहीं योजना

मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल एक शैक्षणिक संस्था है और ÷सबके लिए शिक्षा÷ के उद्देश्य की पूर्ति के लिए संचालित है। संस्था का अहम दायित्व है कि युवा पीढ़ी को परीक्षाओं में असफलता के भय आत्मघाती घटनाओं से बचाने के लिए सार्थक पहल करे। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, इसे आत्मघाती कदम उठाने से बचाने, उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने और देश की उन्नति में सहयोग करने के उद्देश्य से मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड ने ÷रूक जाना नहीं योजना÷ 2016 में प्रारंभ की थी। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल की अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये थी। योजना को मिली सफलता के आधार पर इसे सी.बी.एस.ई. के लिए भी इसे ऑन डिमांड पर लागू किया गया है। रूक जाना नहीं योजना से अब तक 6 लाख 41 हजार 553 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं।

समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों के बीच मुलाकात करने पहुंचे राज्यपाल

राज्यपाल ने ग्राम सिकोसा में पीएम आवास योजना का किया अवलोकन

- सहजता एवं सहृदयता से अभिभूत हुए हितग्राही एवं ग्रामीण

रायपुर/नवप्रदेश राज्यपाल रमेन डेका बालोद जिले में अपने दो दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम सिकोसा पहुँचकर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत नवनिर्मित आवासों का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम सिकोसा के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभान्वित हितग्राही कमलेश साहू एवं बोधीराम तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल भी पुछा। श्री डेका ने इन दोनों हितग्राहियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के अलावा शासन के अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से उन्हें मिल रहे लाभ के संबंध में जानकारी ली। राज्यपाल श्री डेका ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उपहार भेंटकर उन्हें नए आवास के सौगात मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

ग्राम सिकोसा में राज्यपाल रमेन डेका के आगमन को लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के साथ-साथ ग्रामीणों में भी बड़ी उत्सुकता देखने को मिला। राज्यपाल के अपने गांव में आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि राज्य के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर विराजमान व्यक्ति का अपने गांव में उपस्थित होना हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण है। ग्रामीणों ने कहा कि लाभान्वित हितग्राहियों से सीधे मुलाकात कर उनकी वास्तविक स्थिति की पड़ताल करने वाले पहले राज्यपाल हैंराज्यपाल डेका अपने प्रवास के दौरान समाज के जरूरतमंद एवं अंतिम पंक्ति के लोगों से मुलाकात कर धरातल पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ले रहे है। यह अभिनव प्रयास है। इस अवसर पर राज्यपाल डेका के प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभान्वित हितग्राहियों एवं ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात एवं उनके सहजता एवं सहृदयता के ग्रामीण एवं लाभान्वित हितग्राही बहुत ही अभिभूत नजर आ रहे थे। इस दौरान राज्यपाल रमेन डेका ने मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

स्थापना दिवस पर भाजपा पखवाड़े में आयोजित करेगी विभिन्न कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर पखवाड़े भर कार्यक्रम आयोजित करेगी. इस अवसर पर 6 अप्रैल को स्थापना दिवस से लेकर 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान एक तरफ जहां भाजपा गांव-गांव तक पहुंचेगी, वहीं दूसरी ओर ध्वज फहराकर और सेल्फी लेकर सोशल मीडिया में कार्यकर्ता अपलोड करेंगे।

इस बात की जानकार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ने जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर, पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि

BJP_FOR_VIKSIT_BHARAT टैग का सोशल मीडिया में उपयोग किया जाएगा। 7 और 8 अप्रैल को दो दिवसीय कार्यक्रम होंगे। वहीं 9 और 10 अप्रैल मंडल में संगोष्ठी का आयोजन होगा। इसके अलावा कार्यकर्ता सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। लक्ष्मी वर्मा ने बताया कि 10, 11 और 12 अप्रैल को बीजेपी गांव चलो अभियान चलाएगी. स्वच्छता मिशन के तहत गांव में अभियान चलाया जाएगा. 13 और 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के दौरान मूर्तियों की साफ-सफाई की जाएगी। 15 अप्रैल को संगोष्ठी में अंबेडकर की जीवनी बताई जाएगी, इसमें कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर का जो अपमान किया था, उसका भी जिक्र होगा।

संक्षिप्त खबरें

सीएम साय ने छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर /नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि (03 अप्रैल) पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज एक नाम नहीं, बल्कि भारतमाता की आत्मा में रचा-बसा वह स्वाभिमान हैं, जिन्होंने स्वराज्य का स्वप्न देखा और उसे

यथार्थ में परिणत किया। वे साहस, संकल्प और राष्ट्रभक्ति की सजीव प्रतिमूर्ति थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिवाजी महाराज भारतीय संस्कृति, नीति और नेतृत्व के अमिट प्रतीक हैं। उन्होंने न केवल धार्मिक सहिष्णुता, जनकल्याण और न्यायप्रिय शासन की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत की, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि एक सच्चा शासक केवल तलवार से नहीं, नीति, मूल्य और जनसेवा से पहचाना जाता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज जब देश नए भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब शिवाजी महाराज की सोच, उनका साहस और स्वराज्य का दर्शन हमारे लिए प्रेरणापुंज बन सकता है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के जीवन से हमे यह प्रेरणा मिलती है कि जब संकल्प अडिग हो और ध्येय राष्ट्रहित, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। मुख्यमंत्री साय ने युवाओं को प्रेरित किया कि शिवाजी महाराज के राष्ट्रप्रेम के आदर्श का अनुसरण करते हुए राष्ट्र की उन्नति में अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और समय को समर्पित कर सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

राज्यपाल डेका से उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सौजन्य भेंट की

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां राजभवन में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने भेंट की। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्यपाल को गृह विभाग से जुड़े विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

पीएटी एवं पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

रायपुर /नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए पी.ए.टी. एवं पीवीपीटी. की प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 21 अप्रैल 2025 सायं 5 बजे तक है। प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 15 मई 2025 दिन गुरूवार को राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी।

राज्यपाल ने सर्किट हाउस बालोद में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश । राज्यपाल रमेन डेका ने बालोद जिले के प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल रमेन डेका के बालोद जिले के आगमन पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन भी किया।

राज्यपाल डेका ने मां गंगा मैय्या की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, समृद्धि की कामना की

रायपुर/नवप्रदेश । राज्यपाल रमेन डेका ने गुरुवार को बालोद जिले प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम झलमला स्थित मां गंगा मैय्या मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ राज्य की सुख, समृद्धि की कामना की।

117 साल बाद रजिस्ट्री को लेकर बड़ा फेरबदल फर्जीवाड़ा हुआ तो नहीं जाना पड़ेगा कोर्ट

- आईजी ही कर देंगे पंजीयन रद्द

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने 117 साल पुराने 1908 के रजिस्ट्रीकरण एक्ट में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। खास बात ये है कि अगर किसी व्यक्ति ने रजिस्ट्री के समय किसी दूसरे व्यक्ति को पेश करवाकर रजिस्ट्री करवा ली है, तो ऐसी रजिस्ट्री रद्द करने का अधिकार पंजीयन महानिरीक्षक (आईजी रजिस्ट्री) ही उसे रद्द कर सकेंगे। अब से पहले इस तरह की रजिस्ट्री सीधे निरस्त नहीं की जा सकती थी। इस तरह के फर्जीवाड़े के मामले कोर्ट में जाते थे, वहां सुनवाई होने से लेकर फैसला आने में बरसों बरस लग जाते थे। तब तक यही फर्जी रजिस्ट्री वैध बनी रहती थी। अब ऐसा नहीं होगा।

राज्य सरकार ने यह बदलाव करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में लागू रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 में संशोधन कलेक्टर भी कर सकते हैं सिफारिश यदि जिला कलेक्टर द्वारा स्वप्रेरणा से या उनके द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई जांच में यह पाया जाता है कि किसी सरकारी भूमि या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के स्वामित्व वाली भूमि को निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना पंजीकृत कराए गए किसी दस्तावेज के आधार पर हस्तांतरित किया गया है, तो जिला कलेक्टर ऐसे दस्तावेज के पंजीकरण को रद्द करने के लिए महानिरीक्षक पंजीयन या राज्य सरकार की अधिसूचना के माध्यम से सशक्त किए गए प्राधिकारी को सिफरिश कर सकता है। जिला कलेक्टर से ऐसी सिफारिश मिलने पर महानिरीक्षक पंजीयन या राज्य सरकार ऐसे दस्तावेज का पंजीयन रद्द कर सकेगी।

आईजी के आदेश के खिलाफ हो सकती है अपील

ऐसे मामले में जहां आईजी पंजीयन किसी दस्तावेज को निरस्त करते हैं या अधिसूचना के माध्यम से निरस्त किया जाता है, तो इस प्रकार के आदेश से व्यथित व्यक्ति आदेश मिलने के 30 दिनों के भीतर पंजीयन विभाग के सचिव के समक्ष अपील कर सकता है। वह जैसा उचित समझे ऐसे आदेश की पुष्टि संशोधन, या उसे रद्द करने का आदेश पारित कर सकता है।

इस तरह होंगे निरस्त : रजिस्ट्रीकरण एक्ट में अब ये संशोधन किया गया है कि यदि पंजीयन विभाग में उप महानिरीक्षक पंजीयन की श्रेणी से अन्यून अधिकारी द्वारा जांच करने पर ये पाया जाता है कि किसी विलेख के पंजीयन में, किसी व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति को गलत तरीके से पेश किया, उस छद्म व्यक्ति के द्वारा निष्पादन को स्वीकार किया गया है और पंजीकरण अधिकारी द्वारा किसी दस्तावेज को पंजीकृत किया गया है, और ऐसे दस्तावेज का अस्तित्व किसी अन्य के व्यक्ति के हित के लिए हानिकारक है। या किन्ही अधिनियमों के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी की अपेक्षित अनुमति के बिना किसी दस्तावेज का पंजीयन हुआ है। या किसी खसरे से संबंधित दस्तावेज को जिसे राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना के माध्यम से प्रतिबंधित किया गया हो, पंजीकरण अधिकारी के द्वारा पंजीकृत किया गया हो। ऐसी स्थिति में रजिस्ट्री रद्द कर दी जाएगी।

इस तरह रद्द होगी फर्जी रजिस्ट्री
इस तरह के मामलों में यदि पंजीकृत विलेखों को, विहित प्रारुप में समुचित व्यक्ति द्वारा आवेदन किए जाने पर या लोक प्राधिकारी से सूचना प्राप्त होने पर या स्वप्रेरणा पर महानिरीक्षक पंजीयन या राज्य शासन द्वारा अधिसूचना के माध्यम से सशक्त किए गए प्राधिकारी द्वार रद्द किया जा सकेगा।

पीएम जनमन से धनसुली की कमार बस्ती को नई पहचान

- चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 15 परिवारों ने किया गृह प्रवेश
- खुशियों से झूम उठी बस्ती

रायपुर/नवप्रदेश महासमुंद जनपद पंचायत का एक गाँव धनसुली है जहां कमार जनजाति की बहुलता है। प्रधानमंत्री जनमन योजना इस जनजाति के जीवन में एक नई रोशनी लेकर आई है। धीरे-धीरे बदलाव की यह लहर उनके जीवन के हर पहलू को छू रही है, जिससे न केवल उनका जीवन स्तर ऊँचा उठ रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी कदम बढ़ा रहे हैं।

ग्राम धनसुली के कमार बस्ती में निवासरत कमार जनजाति के परिवारों को पीएम जनमन योजना का एकमुश्त लाभ मिला है। इस बस्ती में निवासरत 15 से अधिक परिवारों के पक्के घर पीएम आवास योजना से बने हैं। एक तरह से यह बस्ती पीएम जनमन योजना की सफलता की प्रतीक बन चुकी है। लगभग सभी घर पूर्णतः बनकर तैयार हो चुके हैं, बस कुछ एक घर बच गए हैं जिनमें रंग रोगन का कार्य शेष है।

कमार जनजाति के लोग मुख्यतः बांस की टोकरी, सूपा एवं अन्य सामान बनाकर अपनी आजीविका चलाते हैं लेकिन यह जनजाति अब शासन की योजनाओं का लाभ लेने में पीछे नहीं है। कमार जनजाति के लोग घुमंतू और खानाबदोश होते हैं लेकिन यहां के कमार जन जो प्रायः घास फूस, खादर और मिट्टी से बने अस्थायी घरों में रहते थे, उन्हें अब पक्का मकान मिलने से उनके जीवन में स्थायित्व आ गया है।

योजना की लाभार्थी 52 वर्षीय लीला बाई कमार ने बताया कि पहले उनका घर घास-फूस का था। जीविका चलाने के लिए वे मुख्यतः बांस के सामान बनाकर थो?ी-बहुत आमदनी करती थीं। इसके अलावा घर के पुरुष ईट भट्टी में काम करने जाते थे, लेकिन यह आय बेहद सीमित थी, जो परिवार की जरूरतों को पूरा करने में नाकाफी थी। सीमित आय होने की वजह से एक पक्का और सुरक्षित घर बनाना उनके लिए एक सपना था। लेकिन पीएम-जनमन योजना के उन्हें एक पक्का और सुरक्षित आवास मिला है।

35 वर्षीय सावित्री बाई

निगम-मंडल की नियुक्तियों पर स्वास्थ्य मंत्री की सफाई, अंतिम निर्णय पार्टी लेती है

रायपुर/नवप्रदेश। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने निगम-मंडल की नियुक्तियों को लेकर नेताओं की नाराजगी पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात हमारे ध्यान में नहीं आई है। अगर कोई विषय आएगा तो पार्टी इसे बैठकर सुलझाएगी. हमारी पार्टी बहुत बड़ी है और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम कर रही है।

गौरीशंकर श्रीवास की प्रतिक्रिया: गौरीशंकर श्रीवास के फेसबुक पोस्ट पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत अभिमत है, लेकिन पार्टी इस पर अंतिम निर्णय लेती है।

कांग्रेस के बयान पर मंत्री का पलटवार: बेरोजगारी भत्ता को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस का बयान हास्यास्पद है. उन्होंने अपने पांच साल के कार्यकाल में युवाओं को कुछ नहीं दिया, बल्कि आखिरी समय में ऊंट के मुंह में जीरा देने जैसा दिखावा किया। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार 2 प्रतिशत बेरोजगारों को भी भत्ता नहीं दे पाई। उन्होंने सिर्फ कुछ लोगों को लॉलीपॉप की तरह छलावा दिया. कांग्रेस को इस मुद्दे पर बोलने का कोई हक नहीं है।

'महतारी वंदन योजना' आर्थिक संबल: मंत्री जायसवाल ने 'महतारी वंदन योजना' को लेकर कहा कि हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं को 500 रुपए तक भी नहीं दिए, जबकि भाजपा सरकार वास्तविक रूप से महिलाओं के हित में काम कर रही है।

बस्तर पंडुम को लेकर मंत्री का

सीडी कांड : 7 साल पुराने मामले में एनएसयूआई सचिव को जेल

रायपुर। आठ साल पुराने मामले में न्यायालय के आदेश पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा एवं यूथ कांग्रेस के महासचिव भावेश शुक्ला को बुधवार को जेल भेज दिया गया। हालांकि उन्हें 2 घंटे बाद ही जमानत मिल गई। शाम 7 बजे दोनों की रिहाई कर दी गई। 2018 में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सीडी कांड में जेल भेजा गया था।जेल भेजे जाने के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा सरोना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रोकी गई थी। 2018 के इस मामले में सुनवाई करते हुए दोनों कांग्रेस नेताओं को न्यायालय से जेल भेजा गया। गिरफ्तारी के 2 घंटे बाद सेशन कोर्ट ने इन्हें जमानत दे दी।कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत रिहाई के बाद देर शाम कार्यकर्ताओं द्वारा सेंट्रल जेल के बाहर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा ने कहा, तत्कालीन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को जब झूठे प्रकरण पर जेल भेजा गया था। इसके विरोध में हमने रेल रोकी थी। आने वाले समय में भी हम कांग्रेस के कार्यकर्ता केंद्र की सरकार एवं राज्य की भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। दोनों ही कार्यकर्ताओं पर रेल अधिनियम के अंतर्गत धारा 174 ए और 147 लगाई गई थी। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव से पहले सीडी कांड में पूर्व सीएम की गिरफ्तारी के बाद प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन हुए थे। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई भी इस विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा थी।

नई व्यवस्था | शराब दुकान के अहाता के लिए मंगाए गए आवेदन

पुराना अनुबंध खत्म : नया अब दो साल का होगा ठेका

रायपुर/नवप्रदेश। आबकारी विभाग की नई पॉलिसी के तहत शासकीय शराब दुकानों के पास खोले गए अहाता का ठेका 31 मार्च को खत्म हो गया है, जिसके बाद सभी अहाते भी बंद हो गए हैं। विभाग ने इस पॉलिसी में अब आंशिक संशोधन किया है। इसके तहत अब ठेका एक वर्ष के लिए नहीं, बल्कि दो वर्ष के लिए दिया जाएगा। यानी एक अप्रैल 2025 से लेकर 31 मार्च 2027 तक के लिए अहाता ठेके पर दिया जाएगा।

अहाता के लिए विभाग ने ऑनलाइन टेंडर भी जारी कर दिया है। इसके तहत 11 अप्रैल तक आवेदन लिए जाएंगे। इस बार भी ठेका उसी को मिलेगा, जो आवेदन में अहाता के लिए सबसे ज्यादा बोली लगाएगा। हालांकि रायपुर जिले में पहली बार अहाता पाने के लिए लोगों ने बढ़-चढ़कर बोली लगाई थी, जिसके कारण प्रत्येक अहाता विभाग द्वारा निर्धारित की गई बोली से दोगुना से चारगुना अधिक कीमत पर गया था। इस कारण 51 ठेकेदारों को अहाता सरेंडर करने के कारण ब्लैक लिस्टेड भी किया गया है।

रायपुर जिले में 61 में 29 अहातों को चला नहीं पाए ठेकेदार:
रायपुर जिले में 61 अहाते ठेके पर दिए गए थे, जिनमें से 29 अहातों को ठेकेदार चला नहीं पाए। इनमें से कई ठेकेदार तो विभाग को सूचित किए बगैर अहाता बंद कर फरार हो थे, वहीं कई ठेकेदारों ने सूचना दी, पर सरेंडर करने के बाद अनुबंध के अनुसार लाइसेंस फीस जमा नहीं की। इस तरह नियमों का पालन नहीं करने वाले 51 ठेकेदारों को विभाग ने ब्लैक लिस्टेड किया है।

3 बार टेंडर, 94 लाख रुपए तक गया था ठेका : जिले में अहातों के लिए 3 बार टेंडर निकाले गए थे। ये अहाते एक मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए दिए गए हैं। पहला टेंडर 56 अहाताओं के लिए निकाला गया था। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए थे, जिनमें एक अहाता को छोड़कर सभी अहातों का टेंडर खुला था। इन अहातों का ठेका बोली पद्धति से हुआ था। सबसे अधिक बोली वाले आवेदक को अहाता का ठेका दिया गया था। पहले टेंडर में लोगों ने भी बढ़-चढ़कर बोली लगाई थी, जिसके कारण अहाते भी 25 लाख रुपए से लेकर 94 लाख रुपए तक गए थे।

जोन अध्यक्ष पद के प्रत्याशी घोषित

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर निगम के 9 जोन के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। जारी सूची के अनुसार, गज्जू साहू जोन 1 के अध्यक्ष और सभापति सूर्यकांत राठौर जोन 2 के अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी बनाए गए हैं। वहीं जोन 3 के लिए अभी तक प्रत्याशी तय नहीं किया गया है। जोन 4 से मुरली शर्मा, जोन 5 के अंबर अग्रवाल, जोन 6 के बद्री प्रसाद गुप्ता, जोन 7 से श्वेता विश्वकर्मा, जोन 8 के प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 9 के गोपेश साहू, जोन 10 से सचिन मेघानी को अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। जोन क्रमांक 3 अटका : भाजपा ने 9 जोनों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा ने कर दी है। लेकिन जोन क्रमांक 3 से प्रत्याशी कौन होगा इस पर फैसला आना अभी बाकि है।

न्यूज गैलरी

अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ : एशियाई बाजार गिरे धड़ाम, जापान को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक टैरिफ) लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को एशियाई बाजारों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर 34 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 26 प्रतिशत और जापानी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। जापान के निक्की 225 में करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक में 3.32 प्रतिशत की गिरावट आई।हांगकांग में, हैंग सेंग सूचकांक में 2.43 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मुख्य भूमि चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक में 0.91 प्रतिशत की गिरावट आई।चीन पर नई पारस्परिक दर मौजूदा टैरिफ में जोड़ी जाएगी, जो कुल 20 प्रतिशत होगी, जिसका अर्थ है कि चीनी वस्तुओं पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है।दक्षिण कोरिया में, कोस्पी सूचकांक में 1.29 प्रतिशत की गिरावट आई, जो 3 प्रतिशत से अधिक के नुकसान को कम करती है। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 1.17 प्रतिशत नीचे था।सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं और 3,153.92 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थीं।भारतीय शेयर बाजार अभी खुलने बाकी थे।अमेरिका में, एसएंडपी 500 0.67 प्रतिशत बढ़कर 5,670.97 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.87 प्रतिशत बढ़कर 17,601.05 पर बंद हुआ।30 शेयरों वाला डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 235.36 अंक बढ़कर 42,225.32 पर बंद हुआ। एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला के शेयरों में 5.3 प्रतिशत की तेजी आई।इससे पहले, ट्रंप ने सभी आयातों पर 10 प्रतिशत की बेसलाइन दर और दर्जनों देशों के लिए उच्च व्यक्तिगत दरों की घोषणा की थी।ये शुल्क अमेरिका द्वारा व्यापारिक साझेदार देशों द्वारा अमेरिका से आने वाले सामानों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का आधा है, जो टैरिफ और गैर-मौद्रिक बाधाओं का संयुक्त योग है। ट्रंप ने कहा कि दरें कम इसलिए हैं क्योंकि अमेरिकी दयालु हैं।भारतीय शुल्क मामले में (जैसा इस मामले में अमेरिका द्वारा गणना की गई है) अमेरिका एक सूत्र का पालन करता है जिसमें मौद्रिक और गैर-मौद्रिक शुल्क और बाधाएं दोनों शामिल हैं। भारत से आयात पर नया अमेरिकी शुल्क आधा यानी 26 प्रतिशत रखा गया है।

हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ का इस्तीफा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव अग्रवाल ने अपना खुद का उद्यम शुरू करने के लिए कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एक बयान में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने घोषणा की कि ध्रुव ने 14 साल तक कारोबार में रहने के बाद आरईए इंडिया के सीईओ पद से हटने का फैसला किया है। बयान में कहा गया, ध्रुव अग्रवाल अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति में सहयोग करेंगे। वे जाने से पहले एक सहज नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में कंपनी की हरसंभव सहायता करेंगे। नए सीईओ की नियुक्ति के लिए एक व्यापक प्रक्रिया चल रही है। आरईए इंडिया के पास रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम का स्वामित्व है। ध्रुव अग्रवाल ने 2011 में प्रॉपटाइगर की सह-स्थापना की थी। इससे पहले 2017 में इसके शुरुआती निवेश के बाद 2020 में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने इसमें नियंत्रण हासिल कर लिया था। उन्होंने हाउसिंग डॉट कॉम के सफल अधिग्रहण का नेतृत्व किया और इस प्लेटफॉर्म के एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाई।

कनेक्टिविटी बढ़ाने और बढ़ती यात्रा जरूरतों से निपटने के लिए निरंतर प्रयासों का प्रमाण

उत्तर रेलवे की रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ष नई रेल सेवाऐं शुरू की गई, मौजूदा सेवाओं की यात्री वहन क्षमता में वृद्धि की गई,जो यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार पर उत्तर रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्तर रेलवे के नेटवर्क में कुल सात नई ट्रेनें, (दो वंदे भारत और पांच एक्सप्रेस ट्रेनें) शामिल की गई। अधिक गंतव्यों को कवर करने के लिए छह ट्रेनों (चार एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनें) को यात्रा विस्तार भी दिया गया। तीन रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई। जिससे यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प मिलने से लाभ हुआ। वंदे भारत ट्रेनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, वंदे भारत ट्रेनों के चार सेटों की यात्री क्षमता 16 डिब्बों से बढ़ाकर 20 डिब्बों तक कर दी गई, जबकि एक सेट की क्षमता 8 डिब्बों से बढ़ाकर 16 डिब्बों तक कर दी गई। विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन में तेजी से वृद्धि हुई । उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर कुल 13,658 विशेष ट्रेनें चलाई गई, जो पिछले वर्ष की 4,487 रेलगाड़ियों की तुलना में काफी अधिक है।

इनमें ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश, होली, दिवाली व छठ-पूजा इत्यादि पर्वों के दौरान चलाई गई रेलगाड़ियां शामिल हैं। विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि से यात्रियों के आवागमन में सुधार हुआ, जिसमें शरदकालीन अवकाश विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं में 50.18त्न और होली स्पेशल रेलगाड़ियों की सेवाओं में 46.29त्न की

उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तीर्थयात्रियों की मांगों को पूरा करते हुए उत्तर रेलवे ने महाकुंभ के लिए श्रद्धालुओं के परिवहन को कुशलतापूर्वक संभाला, इसी क्रम में उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर (01.01.2025 से 06.03.2025 तक) विभिन्न क्षेत्रों से प्रयाग क्षेत्र तक कुल 2,433 महाकुंभ विशेष ट्रेनें चलाई गई। इसके अलावा, 142 भारत गौरव ट्रेनें चलाई गई, जो सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन के विकास में उत्तर रेलवे के योगदान को दर्शाती हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि कोच बढ़ाने की पहल के परिणामस्वरूप उत्तर रेलवे के स्वामित्व वाली 25 जोड़ी ट्रेनों में 64 कोच जोड़े गए, जिससे वर्ष 2024-25 के दौरान 9662 अतिरिक्त फेरे लगाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 316त्न अधिक है। आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) रेक को एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) रेक में बदलने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें बेहतर सुरक्षा और आराम के लिए 9 जोड़ी ट्रेनों को अपग्रेड किया गया।

रेक का मानकीकरण एक अन्य प्राथमिकता वाला क्षेत्र था, जिसमें उत्तर रेलवे की 37 जोड़ी रेलगाड़ियों को मानकीकृत किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 147 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, 41 जोड़ी ट्रेनों में 88 सामान्य श्रेणी के कोच जोड़े गए, जिससे अनारक्षित श्रेणियों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा हुई। रेल संचालन में उत्तर रेलवे की प्रगति ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और बढ़ती यात्रा जरूरतों से निपटने के लिए इसके निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। ये विकास भारत की रेल प्रणाली को आधुनिक बनाने और रेलवे परिचालन में समग्र दक्षता बढ़ाने के इसके इरादे का सबूत हैं।

सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए

पीपीएफ खातों में नॉमिनी का विवरण अपडेट करने या जोड़ने पर नहीं लगेगा कोई शुल्क

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया है कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के विवरण अपडेट करने से जुड़े किसी भी शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल, 2025 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खातों में नॉमिनी का नाम अपडेट करने या जोड़ने के लिए अब कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने अधिसूचना जारी कर इससे जुड़े जरूरी बदलाव कर दिए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसकी जानकारी दी है। वित्त मंत्री के अनुसार, पीपीएफ खातों में नामांकित व्यक्ति के विवरण को अपडेट या संशोधित करने के लिए वित्तीय संस्थानों की ओर से शुल्क लगाया जा रहा है, ऐसी जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के विवरण अपडेट करने से जुड़े किसी भी शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल, 2025 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, सरकार की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए नामांकन रद्द करने या उसमें बदलाव करने के लिए लिया जाने वाला 50 रुपये का अब शुल्क समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ÷हाल ही में पारित बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025, जमाकर्ताओं के धन, लॉकर में रखे गए सामान और सुरक्षा लॉकरों के लिए अधिकतम 4 व्यक्तियों को नामित करने की अनुमति देता है। विधेयक में एक और बदलाव बैंक में किसी व्यक्ति के पर्याप्त हित शब्द को फिर से परिभाषित करने से जुड़ा है। इस सीमा को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने की मांग की गई है।

पांच लाख रुपये की राशि लगभग छह दशक पहले तय की गई थी।इस कानून में सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) का कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष करने का भी प्रावधान है, ताकि इसे संविधान (97वें संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुरूप बनाया जा सके।

अमेरिकी टैरिफ का भारत को भी होगा नुकसान

नई दिल्ली। भारतीय समय के अनुसार आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर दिया है। भारत समेत दुनिया के कई बड़े देशों में ये अमेरिकी टैरिफ लगने जा रहा है। इससे भारत के कई सेक्टर में नुकसान हो सकता है। इनमें टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि सेक्टर को शामिल किया गया है। ट्रंप ने ये रेसिप्रोकल टैरिफ उन देशों पर लगाया है, जो अमेरिका के मुताबिक उनसे अच्छा खासा टैरिफ वसूल रहे थे। जो भी देश अमेरिका से आई वस्तुओं पर टैरिफ वसूल रहा था। अब अमेरिका भी उन देशों से उतना ही टैरिफ लेगा।बैंकिंग और इंटरनेशनल स्टॉक के विशेषज्ञ अजय बग्गा ने टैरिफ पर कई महत्वपूर्ण बातें कही है। उन्होंने कहा कि ये अमेरिकी टैरिफ कई गणनाओं पर आधारित है। इनमें कस्टम ड्यूटी, करेंसी में बदलाव और जीएसटी को भी शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ये टैरिफ लागू कर अमेरिका पहले और अकेले होने वाली मानसिकता की ओर बढ़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि ट्रंप के टैरिफ से किन सेक्टर पर प्रभाव पड़ सकता है। अजय बग्गा के मुताबिक भारत के घरेलू बाजार पर इसका प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा। हालांकि भारत के कई बड़े सेक्टर जैसे टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि पर इस टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मेटल और तेल की बिकवाली आज सुबह से डाउन दिख रही है। वहीं फार्मा अभी बाकी सभी पर ध्यान देते हुए, इंतजार के मूड पर है। उनके मुताबिक भारतीय घरेलू बाजार में

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को होगा फायदा : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से चीन, वियतनाम, थाईलैंड और इंडोनेशिया पर भारत की तुलना में अधिक जवाबी टैरिफ लगाए जाने का फायदा देश के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिल सकता है। इन देशों को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारत का बड़ा प्रतिस्पर्धी माना जाता है। यह जानकारी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने गुरुवार को दी। जानकारों ने कहा कि भारत पर कम अमेरिकी टैरिफ की वजह लीडर्स और वार्ताकारों का असाधारण और अथक प्रयास है। इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, अमेरिका के साथ भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार लंबी अवधि की साझेदारी और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के सफल समापन पर निर्भर करेगी। बीटीए को अब हमारी व्यापार रणनीति का आधार बनना चाहिए, जिससे स्थिर बाजार पहुंच, टैरिफ पूर्वानुमान और उच्च मूल्य वाले इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा मिल सके। इंडस्ट्री लीडर्स ने कहा कि बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य के साथ, भारत को जोखिमों को कम करने और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के लिए व्यापार कूटनीति, घरेलू नीतिगत बदलावों और मजबूती होती इंडस्ट्री का लाभ उठाते हुए तेजी से रणनीति बनानी होगी।

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अध्यक्ष अशोक चांडक ने कहा, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने से दबाव कम हो सकता है, जबकि चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क समायोजित करने से भी चिंताएं दूर हो सकती हैं। भारत अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए बातचीत और जवाबी उपायों में संतुलन बनाते हुए ड्यूल-ट्रैक अप्रोच अपना सकता है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि भारत और अमेरिका दोनों अपने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना चाहते हैं। इससे पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते के लिए अवसर पैदा हो सकते हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य में अहम भूमिका होने के कारण सेमीकंडक्टर और फार्मा क्षेत्र को जवाबी टैरिफ से मुक्त रखा गया है। चांडक ने आगे कहा, आईईएसए इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय एवं वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जोखिम को कम करने और भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रखने वाली रणनीति विकसित की जा सके। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वाइस-प्रेसिडेंट (इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप) प्रभु राम ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं इन नीतिगत बदलावों से संभावित रूप से पुनर्संयोजित हो रही हैं, इसलिए भारत के पास वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में अपनी भूमिका को मजबूत करने का एक रणनीतिक अवसर है। इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए, भारत को अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतिक नीतिगत पहलों को आगे बढ़ाना चाहिए।

फार्म टू फोर्क पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

सस्टेनेबल सोया फूड्स से भारत में प्रोटीन की कमी हो सकती है पूरी

इंदौर। समाज में हो रहे आर्थिक बदलावों के साथ-साथ दुनिया की बढ़ती आबादी के चलते खेती के ज़रूरी संसाधनों, जैसे ज़मीन और पानी, पर दबाव बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आबादी को 70त्न ज़्यादा प्रोटीन की ज़रूरत होगी, और विज्ञान कहता है कि सोयाबीन प्रोटीन का एक आदर्श स्रोत है। एक स्वस्थ समाज के लिए प्रोटीन एक आवश्यक तत्व है, लेकिन यदि यह ज़रूरत केवल जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन से पूरी की गई, तो पर्यावरण को नुकसान होगा, ज़्यादा ग्रीनहाउस गैसें निकलेंगी और अधिक पानी व ज़मीन की आवश्यकता होगी। इसलिए, हमें प्रोटीन के मौजूदा स्रोतों को बेहतर बनाने और इंसानों के लिए नए, अच्छे और किफायती प्रोटीन विकल्प खोजने की ज़रूरत है, और यहाँ पर सोया एक आदर्श विकल्प बनकर सामने आया है। भारत में किए गए एक सर्वे के अनुसार, 85त्न भारतीयों में प्रोटीन की कमी है। यहाँ तक कि 80त्न मांसाहारी लोगों में भी प्रोटीन की कमी पाई गई है। प्रोटीन की कमी से शरीर के विकास और सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए, खाने में अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती प्रोटीन स्रोतों को शामिल करना आवश्यक है। सोया फूड प्रमोशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन एक इंटरनेशनल सोया कॉन्फ्रेंस कर रहा है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में सोया खाने की नई जानकारियाँ बाँटना और पोषण में सोया की भूमिका पर चर्चा करना है। इस कॉन्फ्रेंस में सोया खाने की नई और उभरती प्रवृत्तियाँ, सोया खाना बनाने में नई तकनीकी प्रगति, सोया के पोषण और सेहत के फायदे और सोया से जुड़े नए बिजनेस के मौकों पर विचार किया जाएगा। भारत की बड़ी सोया उत्पादक कंपनियाँ, जैसे यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल, सोनिक बायोकेम, विप्पी सोय पतंजलि फूड्स, मैरिको, सॉलिडारिडाड, सेवर, पीसीके, सीएसके फूडटेक, और बायोन्यूट्रिएंट्स इस कार्यक्रम में भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के वक्ता और प्रतिभागी शामिल होंगे। SFPWA के चेयरमैन डॉ. सुरेश इतापू, यूएस सोयाबीन एक्सपोर्ट काउंसिल के रीजनल डायरेक्टर श्री केविन रोपके, SFPWA के मुख्य संरक्षक श्री गिरीश मतलानी, और पतंजलि फूड्स के सीईओ श्री संजीव अस्थाना इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। 25 से अधिक वक्ता सोयाबीन को ह्यूमन फूड के रूप में उपयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों और सोया खाद्य व्यवसायों की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

सोयाबीन एक बहुत सस्टेनेबल प्रोटीन वाली फसल है, जो खराब मौसम में भी अच्छी तरह उग जाती है और पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाती है। आजकल के प्रोटीन उत्पादन को बनाए रखने से ज़मीन, पानी और फॉसिल फ्यूल्स जैसे संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। सोयाबीन का उत्पादन अधिक अच्छा और पर्यावरण के लिए टिकाऊ माना जाता है, क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन होता है और यह बहुत पौष्टिक भी है। इसके साथ ही, सोयाबीन के उत्पादन में ज़मीन, पानी और ऊर्जा का उपयोग भी कम होता है। फॉसिल फ्यूल्स से मिलने वाली ऊर्जा के कारण सोयाबीन से बने खाने में सबसे अधिक प्रोटीन होता है। अन्य प्रोटीन स्रोतों की तुलना में, सोयाबीन पानी का उपयोग भी कम करता है। यह एक एकड़ ज़मीन पर बाकी सभी अच्छे प्रोटीन स्रोतों से अधिक प्रोटीन देता है। यदि प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग की गई ज़मीन और बनने वाले उत्पाद की तुलना करें, तो सोया प्रोटीन 17 गुना अधिक प्रभावी है। पानी और ज़मीन जैसे घटते प्राकृतिक संसाधनों और बढ़ती प्रोटीन की ज़रूरत को देखते हुए, सोयाबीन इंसानों के लिए एक अच्छा विकल्प है। सोयाबीन दूध, मांस और अंडे जैसे जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन स्रोतों की तुलना में बहुत कम पानी का उपयोग करता है। इसलिए, एक टन सोयाबीन उत्पादन से चालीस लाख गैलन से अधिक पानी बचाया जा सकता है।

सोयाबीन एक अच्छी प्रोटीन वाली फसल है और बहुत पौष्टिक भी है। बढ़ती प्रोटीन की ज़रूरत को पूरा करने के लिए यह सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। सोया प्रोटीन की ख़ासियत यह है कि इसे मांस के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे उच्च गुणवत्ता और बेहतरीन बनावट वाले प्रोटीन उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सोयाबीन पर्यावरण के लिए सबसे अच्छी फसलों में से एक है और यह बढ़ती प्रोटीन की ज़रूरत को पूरा करने के लिए एक सस्टेनेबल और असरदार उपाय है। सोया प्रोटीन एक आसानी से मिलने वाला प्लांट-बेस्ड प्रोटीन है, जो कई तरीकों से उपयोग किया जा सकता है।

सोयाबीन को प्रकृति का पौष्टिक उपहार माना जाता है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। यह उन कुछ प्लांट-बेस्ड प्रोटीन खाद्य पदार्थों में से एक है जो उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन प्रदान करते हैं और इसमें सैचुरेटेड फेट्स की मात्रा बहुत कम होती है। सोयाबीन न केवल लोगों को स्वस्थ और बेहतर महसूस कराता है, बल्कि उनके जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाता है। सोया प्रोटीन एकमात्र ऐसा आमतौर पर खाया जाने वाला प्लांट-बेस्ड प्रोटीन है जिसे ÷कम्प्लीट÷ प्रोटीन कहा जाता है। इसका मतलब है कि इसमें सभी आवश्यक अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं, जो मानव शरीर की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं।

श्रेयस का कमाल: आईपीएल में दर्ज किया बड़ा रिकॉर्ड

***धोनी और रोहित के क्लब में मारी एंट्री**

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बीते मंगलवार को 8 विकेट से धूल चटा दी. इस जीत के साथ ही श्रेयस ने एक खास मुकाम हासिल कर लिया है. वह आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले पांचवें कप्तान बन गए हैं. उन्होंने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया और एमएस धोनी, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर और विराट कोहली के क्लब में एंट्री मारी ली है।

श्रेयस अय्यर ने 72 मैचों में कप्तानी करते हुए 42 मैच में जीत हासिल की है. इसके साथ ही उन्होंने 83 मैचों में 40 जीत बतौर कप्तान हासिल करने वाले डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है. एमएस धोनी ने 226 मैचों में कप्तानी की और 133 जीत दर्ज की है. रोहित शर्मा ने 158 मैचों में से 89 मैच बतौर कप्तानी जीते हैं. गौतम गंभीर 129 मैचों में

कप्तान के तौर पर 71 जीत अपने नाम दर्ज कर चुके हैं. विराट कोहली 143 मैचों में 68 जीत हासिल कर चुके हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2025 के 13वें मैच में पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 171 रन बनाए. पंजाब किंग्स ने 172 रनों के लक्ष्य का बेहद आसानी से हासिल कर लिया. इस मैच में प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों पर 3 चौकों और इतने ही चौकों की मदद से 69 रनों की धमाकेदार पारी खेली और श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 30 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए।

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में हासिल की बड़ी उपलब्धि

मुंबई। आईपीएल 2025 का 12वां मैच सोमवार, 31 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया. इस मैच में मुंबई इंडियंस ने सीजन के अपने पहले होम गेम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आसान जीत दर्ज की. पूरे मैच के दौरान कई खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन एमआई के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इतिहास रच दिया.मुंबई इंडियंस के दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20 क्रिकेट इतिहास में 8000 रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए. उन्होंने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुंबई की जीत में यह उपलब्धि हासिल की. केकेआर के खिलाफ नाबाद 27 रनों की पारी में सूर्या ने टी20 क्रिकेट में 8000 रन पूरे किए. इसके साथ ही वह विराट कोहली, सुरेश रैना, रोहित शर्मा और शिखर धवन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले 5वें भारतीय बल्लेबाज बन

गए. एमआई और केकेआर के बीच मैच की बात करें तो, केकेआर की टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी. सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन शून्य पर आउट हो गए, जबकि डीकॉक ने 1 रन बनाया. अजिंक्य रहाणे ने 11 रन जोड़े जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 26 रन बनाए. इसके अलावा, रिंकू सिंह और मनीष पांडे ने क्रमशः 17 और 19 रन बनाए. वहीं, रुद्ध की ओर से डेब्यू करने वाले अश्विनी कुमार ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके. दीपक चाहर ने भी 2 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और रोहित शर्मा 13 रन बनाकर आउट हो गए. हालांकि, रयान रिकल्टन और सूर्यकुमार यादव की पारियों ने मुंबई को शानदार जीत दिलाई. रिकल्टन ने 41 गेंद में नाबाद 62 रन बनाए जबकि सूर्यकुमार यादव ने 9 गेंद में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 27 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को सीजन की पहली जीत दिला दी।

एमपी की 15008 वक्फ संपत्ति से सिर्फ दो करोड़ आय: बोर्ड अध्यक्ष

बोर्ड अध्यक्ष बोले- सौ करोड़ सालाना आना चाहिए, भोपाल के नईम समेत कई पर निकली रिकवरी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने कहा कि एमपी वक्फ बोर्ड के अधीन 15008 संपत्तियां दर्ज हैं। इन संपत्तियों से कम से कम सौ करोड़ रुपए सालाना आय होना चाहिए लेकिन दो करोड़ रुपया भी नहीं आ पाता है। इसलिए जन कल्याण के काम में खर्च नहीं हो पाता। अब नए बिल के लागू होने के बाद राशि आएगी तो जनकल्याण के लिए खर्च की जा सकेगी। भोपाल में नईम खान ने वक्फ की प्रापर्टी का अवैध उपयोग किया है, उनके विरुद्ध आरआरसी जारी हुई है।

गुरुवार को बीजेपी दफ्तर में मीडिया से चर्चा करते हुए वक्फ बोर्ड अध्यक्ष पटेल ने कहा कि देश भर में वक्फ की संपत्तियों को लेकर कई जगहों पर शिकायतें हुईं। जिसमें न्यायालय के साथ सरकार के दफ्तर भी शामिल हैं। वक्फ बिल पेश हुआ तो विपक्ष ने धमकाने, डराने का काम किया। जेपीसी ने देश भर में घूमकर सुझाव मांगे। इसके अलावा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सुझाव मांगे। दो करोड़ से अधिक लोगों ने इस पर अपने सुझाव दिए हैं। देश के भाईचारे और समाज व देश हित में वक्फ बिल लाया गया है।

असल हकदार जरूरत मंद मुसलमानों के लिए यह बिल है। चंद ताकतवर, धनाढ्य मुसलमान लोग वक्फ की जमीन पर कब्जा करके बैठे थे, वे इसका विरोध कर रहे हैं। अब असली जरूरत मंद मुसलमानों के हित में इन संपत्तियों से होने वाली आय को खर्च किया जा सकेगा।

विपक्ष पांच नाम बताए जिन्हें सीएए के कारण देश से निकाला गया

पटेल ने कहा कि विपक्ष के लोग आज भी पांच नाम या एक नाम बता पाने की स्थिति में नहीं हैं कि सीएए के बाद किसी को देश से निकाला गया है। जेपीसी के बाद 15 बिंदुओं पर जानकारी जुटाई गई थी और कलेक्टरों को फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। एमपी वक्फ बोर्ड ने 15 में से 12 बिंदुओं पर जानकारी भेज दी है। अब एमपी के लिए एक नया पोर्टल वामसी नाम से बनाया जा रहा है। शेष तीन बिन्दु राजस्व विभाग से संबंधित हैं जिसमें राजस्व रिकार्ड में संपत्तियों की क्या स्थिति हैड़ निजी है या सरकारी है। बंदोबस्त के पहले जमीन का खसरा नम्बर क्या थाड़ इसकी जानकारी कलेक्टरों से मांगी गई है।

कांग्रेस नेताओं का वक्फ पर कब्जा, इसलिए कर रहे विरोध

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पटेल ने कहा कि कांग्रेस नेता रियाज खान 7.11 करोड़ की आरआरसी जारी हुई है। इन्होंने वक्फ में 15 दुकानें बताई थी, इसकी जांच हुई तो 115 दुकानें मिलीं। ऐसे ही 1.84 करोड़ की रिकवरी सागर जिले के बीना में कांग्रेस नेता इकबाल खान पर निकली है। नईम खान भोपाल के हैं, उनके विरुद्ध भी सवा करोड़ रुपए आरआरसी जारी हुई है। ये वक्फ की आमदनी से अपना पेट भर रहे हैं। इस बिल से उन्हीं लोगों का विरोध सामने आ रहा है। वास्तव में जरूरतमंद मुसलमान तो इस बिल से खुश है।

संक्षिप्त खबरें

नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

3500 किमी में कितने आश्रम-सामाजिक भवन, दो माह में होगा सर्वे

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में नर्मदा परिक्रमा पथ निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। एक महीने पहले मनरेगा द्वारा सिप्री नामक सॉफ्टवेयर बनाया गया है। इसके जरिए परिक्रमा पथ का चिह्नांकन किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर से पता लगाया जा रहा है कि कहां पुलिया, कच्ची सड़क और पक्का मार्ग बना हुआ है। कहां नई सड़क या पुलिया की जरूरत है, इसका भी आकलन किया जा रहा है। जहां आवश्यक होगा, वहां निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही, नर्मदा किनारे बने मंदिरों, आश्रमों, सामाजिक भवनों और टॉयलेट की मैपिंग भी की जा रही है। इससे यात्रियों को पहले से इनकी जानकारी मिल सकेगी। नर्मदा नदी की कुल लंबाई लगभग 1314 किमी है। परिक्रमा के दौरान यह दूरी 3500 किमी हो जाती है। इसमें से 2000 किमी का हिस्सा मध्य प्रदेश में आता है। बाकी मार्ग महाराष्ट्र और गुजरात में है। फिलहाल, मध्य प्रदेश सरकार सिर्फ 2000 किमी का चिह्नांकन करवा रही है। इसमें से 1500 किमी का काम पूरा हो चुका है। यात्रियों के लिए सुविधाएं जुटाने का काम पहले ओंकारेश्वर और महेश्वर से शुरू होगा। लगभग 50त्न पैदल परिक्रमा इन्हीं तीर्थ स्थलों से शुरू होती है। नर्मदा किनारे करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय स्थल बनाया जाएगा। इसमें पेड़-पौधे लगाए जाएंगे और रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था होगी। रेडी-टू-स्टे आश्रय स्थल की 7 लेयर की छत होगी, जिससे इसे मजबूती मिलेगी। यह छत बल्ली, बांस, मिट्टी, मिट्टी के खप्पड़ जैसी पांच लेयर से बनाई जाएगी।इसमें मिट्टी और गोबर का लेपन किया जाएगा। इससे परिक्रमा करने वालों को आध्यात्मिकता का अनुभव होगा। चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इस काम में नर्मदा परिक्रमा करने वाले लोग और समितियां भी शामिल हो सकती हैं। ऐसा होगा सॉफ्टवेयर... नर्मदा परिक्रमा पथ को चिन्हित करने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सॉफ्टवेयर बनाया है। इसे जियोग्राफी इंफॉर्मेशन सिस्टम से जोड़ा गया है। इस सॉफ्टवेयर का निर्माण रोजगार गारंटी परिषद (मनरेगा) ने किया है। मनरेगा एमआईएस के इंचार्ज ओवेश अहमद ने बताया कि एक महीने से सर्वे चल रहा है।सॉफ्टवेयर में एक एप भी लिंक किया गया है। इसमें परिक्रमा पथ के किनारे आने वाले धार्मिक स्थान, आश्रम, सामाजिक भवन और टॉयलेट की लोकेशन जोड़ी जा रही है। सर्वे का काम एक से दो महीने में पूरा हो जाएगा। इसके बाद अन्य कार्य शुरू होंगे।

भोपाल में युवक से मोबाइल लूट: मेट्रो प्लाजा हबीबगंज इलाके की घटना

भोपाल/नवप्रदेश। शहर के हबीबगंज इलाके में एक युवक से मोबाइल लूट की वारदात हो गई। लुटेरे ने युवक का महंगा स्मार्टफोन जबरन छीन लिया और मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत पीड़ित युवक आकाश त्रिपाठी ने थाना थाने में दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार रात करीब 11 बजे की है। पीड़ित युवक सड़क किनारे रैपिडो बुक करने के लिए फोन का इस्तेमाल कर रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति अचानक आया और धक्का देकर उसका फोन छीनकर भाग गया। युवक के विरोध करने से पहले ही लुटेरा फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूटा गया मोबाइल फोन रूष्ह्रश्च श्चस्त्रद्द 40 ह्द्वश्च मॉडल का था। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपए है। लूट के बाद, मोबाइल को कुछ घंटों तक ऑन पाया गया, लेकिन सुबह 7 बजे के बाद फोन का नेटवर्क बंद हो गया। जिससे संदेह है कि लुटेरे ने फोन बंद कर दिया या सिम कार्ड निकाल दिया। पीड़ित ने पुलिस से जल्द से जल्द लुटेरे को पकड़ने और फोन को ट्रेस करने की मांग की है।

भाजपा सरकार से सवाल किया जबलपुर जैसी सख्त कार्यवाही क्यों अन्य जिलों में संभव नहीं - विवेक त्रिपाठी

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी की पत्रकारवार्ता

मप्र के निजी स्कूलों की मनमानी रोकने हेतु कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने पत्रकारवार्ता कर सरकार को घेरा

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ सीएस अनुराग जैन को भेजा शिकायत पत्र

प्रदेश में शिक्षा का व्यापारीकरण कर रहे शिक्षा माफिया , भाजपा सरकार दे रही संरक्षण - विवेक त्रिपाठी

स्कूलों की मनमानी पर प्रदेश सरकार का अंकुश क्यों नहीं - विवेक त्रिपाठी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लंघन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा , पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की । पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें । जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं , जिसको दृष्टिगत रखते हुए हम शासन से निम्नलिखित मांग करते हैं

1. NCRT की किताबों को 1ह्यह्ल क्लास से ही अनिवार्य किया जाए , वहीं नर्सरी केजी-1 केजी 2 की किताबों में 5 वर्ष तक किसी भी बदलाव पर अंकुश लगे ताकि बार-बार अभिभावकों पर महंगी किताबों का आर्थिक बोझ न पड़े।

2. स्कूलों द्वारा चुनिंदा दुकानों से खरीददारी कराने पर रोक लगे और इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पोर्टल पर किताबों की सूची तत्काल डाली जाएं ।

3. नियम विरुद्ध मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो 10त्न का नियम कढ़ाई से लागू हो ।

4. कांग्रेस सरकार की योजना ऋञ्जश्व (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत गरीब बच्चों को अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाए और इसके पालन की निगरानी हो जिसके लिए जिला और प्रदेश स्तर पर उचित शिकायतें निवारण प्रकोष्ठ बनें ।

5. जिला कलेक्टर कार्यालय में एक विशेष दिन शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की जनसुनवाई की जाएं ।

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हाल ही में जबलपुर कलेक्टर द्वारा निजी स्कूलों पर की गई कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम है , जिससे शिक्षा माफियाओं पर अंकुश लगा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि ऐसी कार्रवाई पूरे प्रदेश में सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि अन्य जिलों में निजी स्कूलों की मनमानी रोकी जा सके और छात्रों व अभिभावकों को राहत मिले , निजी स्कूलों के खिलाफ दर्ज सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का 15 कार्य दिवस में निराकरण कर उचित कार्यवाही करें ।

भोपाल में आर्मी के रिटायर्ड सूबेदार की मौत

भोपाल/नवप्रदेश। हाउसिंग बोर्ड करोंद, इंद्रा आश्रय कॉलोनी के निवासी और सेना से रिटायर्ड सूबेदार विनय किशोर त्रिपाठी का बीते 1 अप्रैल की रात अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से निधन हो गया। रात करीब 11 बजे उन्हें अचानक उल्टियां होने लगीं और वे बेहोश हो गए। इस पर उनके पिता चंद्र प्रकाश त्रिपाठी तुरंत उन्हें मिलिट्री अस्पताल बैरागढ़ ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उनकी हृदय गति रुक चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिजनों और पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद शव को हमीद अस्पताल की मॉर्च्युरी भेजा गया। 3 अप्रैल को पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

दिसंबर 2021 में हुए थे सेना से रिटायर्ड

विनय किशोर त्रिपाठी दिसंबर 2021 में भारतीय सेना से सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके बच्चे बेंगलुरु में पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी पुणे में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करो? 82 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, इंदौर में 69 हजार 558, भोपाल में 74 हजार 75, राजग? में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, धार में 33 हजार 249, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, खण्डवा में 16 हजार 654, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, झाबुआ में 5710, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, खरगौन में 565, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवा?ा में 185, अशोकनगर में 119, सिवनी में 1313, सतना में 926, मण्डला में 90, दतिया में 43 और अलीराजपुर में 24, मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये 15 लाख 9 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। किसान अब 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि तुरंत मिलेगी

बिजली कंपनी में कार्यरत सभी श्रेणी के कर्मचारी योजना में शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है। कंपनी ने कहा है कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग, भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब सूचनाकर्ता को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य कर दिया है। कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल के साथ ही कंपनी की वेबसाईट portal.pmcz.in पर ऑनलाईन सूचना दे सकते हैं।

कंपनी द्वारा योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तो के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया गया है। कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर जाकर informer scheme लिंक पर क्लिक करके, सूचनाकर्ता के द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है एवं उपाय ऐप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है।

फिजिक्सवाला (पीडब्लू) ने जबलपुर में पहला टेक-इनेबल्ड ऑफलाइन विद्यापीठ सेंटर शुरू कर मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया

जबलपुर/नवप्रदेश। एजुकेशन कंपनी, फिजिक्सवाला (पीडब्लू) ने मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है और जबलपुर में अपने पहले टेक-इनेबल्ड पीडब्लू विद्यापीठ सेंटर का उद्घाटन किया है, जो एमएलबी स्कूल रोड में स्थित है। उद्घाटन समारोह में डीआईजी रजनीश कुमार त्रिपाठी भी शामिल हुए। विद्यापीठ सेंटर में टेक-इनेबल्ड कक्षाएं है, जो एक अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। पीडब्लू के मध्य प्रदेश के अन्य शहरों में भी कई केंद्र हैं।

नया पीडब्लू विद्यापीठ 1620, नेपियर टाउन, आदित्य अस्पताल के सामने, एमएलबी स्कूल रोड, जबलपुर-482001 में स्थित है।

पीडब्लू विद्यापीठ टेक-इनेबल्ड ऑफलाइन केंद्र हैं, जहां छात्र अनुभवी शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले इन-पर्सन कक्षाओं में भाग लेते हैं। ये केंद्र छ्वश्वश्व, ह्रश्वश्ञ और फाउंडेशन के लिए एक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं और साथ ही शैक्षणिक परीक्षाओं जैसे ओलंपियाड पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। इन केंद्रों में छात्रों के लिए रिकॉर्डेड लेक्चर, ह्ष्टश्चत्रञ्ज सामग्री में सहायता, ऑफलाइन डाउट-सॉल्विंग, डेली प्रैक्टिस प्रॉब्लम्स (DPPs), विशेष मॉड्यूल, एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग, पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs), और PW-AITS जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके अलावा, केंद्रों में स्टूडेंट सक्सेस टीम (स्स्ञ) के लिए एक समर्पित डेस्क और माता-पिता एवं शिक्षकों के लिए एक डैशबोर्ड सिस्टम भी है, जो छात्रों की प्रगति पर अपडेट प्रदान करता है।

अंकित गुप्ता, सीईओ ऑफलाइन, फिजिक्सवाला (पीडब्लू), ने कहा, ÷पीडब्लू में, हम छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के नए तरीके खोजने का प्रयास करते हैं। हमारा मानना है कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तलाश में अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह उनके लिए भावनात्मक और आर्थिक रूप से कठिन हो सकता है। जबलपुर में अपना पहला पीडब्लू विद्यापीठ केंद्र खोलकर, हमारा लक्ष्य टेक-इनेबल्ड गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उनके घरों के करीब लाना है और देशभर में और अधिक शैक्षिक हब-स्पॉट विकसित करना है।÷

इसके अलावा PWSAT के लिए रजिस्ट्रेशन भी जारी हैं, जिसमें हिस्सा लेकर विद्यार्थी हमारे ऑफ़लाइन पाठ्यक्रमों के लिए ट्यूशन शुल्क माफी प्राप्त कर सकते हैं। यह परीक्षा ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों माध्यमों में होगी। इसमें कक्षा 7 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थी बैठ सकेंगे। JEE या NEET के लिए ड्रॉप लेने वाले विद्यार्थी भी इसमें बैठ सकेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड-नं-3, पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित मो.नं. 9406245514, 9425237314 (न्याय क्षेत्र भोपाल) www.navpradeshbhopal@gmail.com